राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 2555 मूल्य 90.00
ड्रैगन किंग
सर्वनायक वर्ष 2014
विश्वरक्षक
नागराज
Anupam Sinha
Eeshwar Arts

उसका जीवित पैदा हो पाना एक चमत्कार था। उसका बड़ा हो पाना एक चमत्कार था।
पर क्या वह इतना बड़ा हो पाया कि अपने अतीत को बौना कर सके?
बेपर्दा कर सके जुपिटर सर्कस से जुड़े उन काले रहस्यों को जो फिर से अदृश्य मौत बन कर उसके सिर पर मंडरा रहे हैं।
Jupiter
क्योंकि वे हैं वहशी और निर्मम.
सुपर कमांडो ध्रुव
बालचरित
हंटर्स
Join our facebook page
facebook
http://www.facebook.com/rajcomics
यह है सुपर कमांडो ध्रुव के होने का सच जो आज से पहले किसी ने नहीं जाना, खुद ध्रुव ने भी नहीं!

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक!
पूर्व कैम्ब्रियन युग में बनी यह श्रृंखला पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति और विकास की गवाह भी है...
...और कई रहस्यों की राजदार भी!
य... यह कैसे संभव है?
पहले किए गए कार्बन टेस्ट के अनुसार, इस गुफा को जो चट्टानें ढके हुई थीं, वे लगभग पचास करोड़ वर्ष पुरानी हैं।
...पर तब तो आदिमानव भी नहीं था।
पुरानी चट्टानें बाद में, भूस्खलन के कारण ऊपर से भी तो गिर सकती हैं!
हो सकता है। लेकिन फिर भी ऐसे हथियार लिए इंसानों द्वारा डायनोसोर्स को मारते हुए चित्र?
काल्पनिक हैं। मनोरंजन के लिए बनाए गए होंगे। अगर आज से हजार साल बाद किसी को सुपर हीरोज की कॉमिक्स मिल जाएं...
...तो इससे यह सिद्ध नहीं होगा कि आज का आदमी उड़ सकता था और कपड़े सुखाने के लिए सूरज में घुस जाता था।
तो क्या यह भी...
...हमारी कल्पना है? जिस समय औजार का नाम तक नहीं था, उस समय के हैं ये पत्थर! कैसे बने ये? एक ही नाप के, परफेक्ट कटिंग!
हम्म्! ये तो सचमुच आश्चर्यजनक ...अरे! यह पत्थर तो...
...अंदर धंस रहा है!
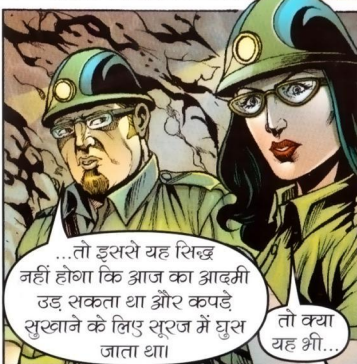
संजय गुप्ता पेश करते हैं!

ड्रैगन किंग

राज कॉमिक्स है मेरा जुनून!

कथा एंव चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
इफैक्ट्स: बसंत पंडा
कैलीग्राफी: नीरू, मंदार
संपादक: मनीष गुप्ता
संस्थापक: राजकुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता

ड्रैगन किंग

सारे प्रमाण इसी ओर ईशारा कर रहे हैं कि यह स्पेसिमेन लाखों, शायद करोड़ों वर्ष पुराना है। उस पर ढकी मिट्टी खुद करोड़ो वर्ष पुरानी थी।
पर इसका हथियार देख कर लग रहा है कि यह लाखों वर्ष आगे के भविष्य से आया है।
भाषण छोड़ो, 100 नंबर पर फोन लगाओ!...

"यह पुलिस के संभाले कहां संभलेगा? नागराज को बुलाओ।"
"एक सुपरहीरोज् हेल्पलाइन नंबर भी होना चाहिए! होता क्यों नहीं?"
य...यह क्या हुआ है? मैंने तो अपना ठिकाना समुद्र के बीचोंबीच में बनाया था। यह चारों ओर जमीन कहां से आ गई? ऐसे पेड़ पौधे भी मैंने पहले कभी नहीं देखे।
और हवा में... अजीब सी घुटन क्यों है?
ऑक्सीजन बहुत कम है।
और.. यह शहर किसने बसाया?
एक भी डायनोसोर नजर नहीं आ रहा है।

सब कहां चले गए? उनका कोई संकेत भी नहीं मिल रहा है मुझे।
मुझे किसी भी कीमत पर ड्रैगन किंग तक पहुंचना है। ढूंढ निकालना है उसे।
शायद इस नगर से मुझे उसका कोई सुराग मिल सके!

और तेज चलाओ। थाने पहुंचना है।
अरे! पर पुलिस तो यहां भी है।
का बात है? गाड़ी में रॉकेट का इंजन फिट किए हो का?
...व...वह.. आ रहा है। आ रहा है... इधर! नागराज को बुलाओ!
कउन आ रहा है?
वह...

"लाखों साल का आदमी!"

"लाखों साल का? तू जरूर दारू पिए..."

अरे भईयाऽऽऽ..

इतने सारे प्राणी। और यह अजीब-ओ-गरीब निर्माण! जरूर यह मुझे रोकने के लिए घेरा बंदी की गई है। कोई खास 'व्यूह रचना' है यह!

पर सुआरा इस व्यूह को तोड़ देगा! छिन्न-भिन्न कर देगा।

मम्मी!ऽऽ

कितना भी सुदृढ़ हो व्यूह, पर सुआरा के सामने...

...टिक नहीं सकता!!

"य...यह असंभव है। ऐसा तो मैंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा। ये तो सांप हैं। पर इतने सांप आए कहां से?"

"क्या उन्होंने मुझे रोकने के लिए कोई नया..."

पर कोई भी संधक अब सुआरा को रोकऽऽऽ...

ऊम्ममफ़!

संभलकर नागराज! यह बहुत कीमती अवशेष है।

भड़ाम
आह!

कैसे हथियार हैं ये? जलाने की कोशिश की तो फट गया। और वही दम घोंटू बदबू।
ऐसी बदबू तो सरिसृपों से भी नहीं आती। घटिया व्यूह है यह।

और घटिया हैं इस व्यूह के संधक!
ओफ्!
यह किस भाषा में बोल रहा है, कुछ समझ नहीं आ रहा! इसके छूते ही मेरी शक्ति जैसे... खत्म हो रही है।

जरूर किसी किस्म का रेडिएशन है इसके शरीर में।
आऽऽऽह!
अब इस व्यूह को तोड़कर मुझे अपनी मंजिल को ढूंढना है।

MAHANAGAR
यह इस व्यूह का केंद्र लगता है। चारों तरफ इन पहिए वाले हथियारों की संख्या यहां पर अधिकतम है।

इसके केंद्र से वार करना इस व्यूह को तोड़ने का सबसे तेज रास्ता है...

कुछ ही पलों में सपाट कर दूंगा मैं इस व्यूह के निर्माण को। पहले इसे कमजोर करूंगा।
MTC

महानगर को तबाह करने पर तुला है यह प्राचीन नमूना!

लेकिन इसके लिए, इसे...
...पहले महानगर के रक्षक को...
...पार करना होगा।
यह महानगर है, कोई कबाड़ घर नहीं, जिसको लाखों साल पुराना प्राणी आकर कबाड़ बना सके!
क्या बक रहा है तू संधक! तूने भाषा नहीं सीखी है क्या...
आऽऽऽऽह...
लगता है तुम नींद में ही बड़बड़ा रहे हो।
अब तुम फिर से सो जाओ!
और फिर मैं तुम्हारे इस हथियार को सुलाता हूं!
अगर यह हथियार उड़ सकता है...
...तो मैं भी उड़ सकता हूं!
दूर खींच ले जाऊंगा इसे इमारतों से।

ओफ्फ!
यह चक्र तो बहुत ज्यादा पावरफुल है। मैं इसे रोक नहीं पा रहा हूं।

बड़ी तीव्र महक है इस संधक की सांसों की! विष की फुंकार थी शायद। सिर चकरा रहा है मेरा। व्यूह जल्दी तोड़ना होगा!

"चक्रों को द्विगुणित करना होगा।"
यह...उम्मफ्... क्या? चक्र तो एक से दो और दो से चार हो रहे हैं।
मैं एक... साथ इतने चक्रों से नहीं निपट सकता।

इस समस्या की जड़ पर वार करना होगा।

यानी इस आदिमानव पर।
आऽऽह!
इस संधक में अंजानी शक्तियां हैं। सबसे पहले इसे ही...

"...ध्वस्त करना होगा।"
ओफ्!
यह तो हद हो गई। उस आदिमानव के ईशारे पर चक्र मेरी तरफ लपक रहे हैं!
अब मैं महानगर को बचाऊं या खुद बचूं?
आऽऽऽऽह!
दोहरा हमला! ऐसे तो इस चक्र को मेरा कीमा बनाने में कुछ ही पल लगेंगे!
यह क्या चमक रहा है? इस प्राणी की अंगुलियों में अगूंठियां हैं।
...और इनपर वैसा ही डिजाइन है जैसा चक्रों पर है। यानि ये दोनों एक दूसरे के ही हिस्से हैं। फिर तो...
काम आसान हो गया है!
आऽऽऽईऽऽ!
यह कटा इसका संपर्क चक्रों से...
...और इसी के साथ चक्र खत्म हो रहे हैं! मेरा सोचना सही था! अब मैं इसका स्थाई इलाज करूंगा।
कमाल का संधक है तू! सुआरा को आज तक कोई इतनी देर तक रोक नहीं पाया।
लेकिन इस व्यूह को टूटने से तू बचा नहीं सकता।
ओह! अब मैं तुम्हारी बात समझ पा रहा हूं।

क्यों मचा रहे हो तुम यह विध्वंस?

यहां पर तुम्हारा कोई दुश्मन नहीं है।

बचकानी भाषा है तुम्हारी इसे समझने में मुझे ज्यादा वक्त नहीं लगा!

यह तुम्हारे समय की दुनिया नहीं है। तुम लाखों वर्षों के बाद जागे हो।

लाखों वर्षों बाद भी यह सिर्फ इसीलिए जाग पाया...

...क्योंकि इसकी मौत इसे ढूंढ ही नहीं पाई!

छुप गया था यह, मौत की दृष्टि से!

पर अब यह छुपन-छुपाई खत्म हुई!

यह...नहीं हो सकता। तुम अवरोध को पार करके यहां तक आ ही नहीं सकते!

प्रत्यक्ष को चुनौती मत दे! हमारे साथ चल!

एक मिनट! मैं भी हूं यहां पर! यह सब हो क्या रहा है?

मौत?
लोगों को मौत आते तो बहुत बार देखा है। पर मौत को यूं आते पहली बार देख रहा हूं। बंद करो यह ड्रामा और बताओ कि क्या चक्कर है तुम दोनों के बीच में?
यह छुपन-छुपाई का खेल कब से खेल रहे हो तुम दोनों?
अरे! अरे!! नागराज को टोटली नजर अंदाज कर रहे हो तुम? मुझे सस्पेंस पसंद नहीं है। नींद उड़ जाती है मेरी!
इसीलिए बगैर पूरी बात जाने मैं न इसे जाने दे सकता हूं...

पढ़ें नागराज का पूर्व प्रकाशित कॉमिक्स विशेषांक 'इच्छाधारी'।

वह इस ग्रह को छोड़कर तो भाग नहीं सकता! उसे तो मैं ढूंढ ही लूंगा।
और फिर... तेरे लिए मैं वापस जरूर आऊंगा।
यह वादा है मेरा तुझसे!

ओफ्! इतने प्रयासों के बाद भी रहस्य, रहस्य ही रह गया।
न वह आदिमानव हाथ लगा और न ही मौत! और न ही...

...उनका कोई निशान!
हुम! एक निशानी तो छोड़ कर गया है वह आदिमानव!

और फिर...
ये तुम बिल्कुल सही जगह पर लेकर आए हो, नागराज!
इन दोनों सैंपल्स की पूरी टेस्टिंग हो तो जाएगी पर थोड़ा समय लगेगा।

तब तक क्यों न हम वह स्थान जाकर देख लें जहां पर वह आदि-मानव रह रहा था! शायद वहां से हमें कोई और सुराग मिल जाए।
गुड आइडिया!

दरअसल हमें भी यहां छानबीन करने का मौका नहीं मिला। हम तो बस भाग खड़े हुए!
यहां पर तो ऐसी कोई चीज नजर नहीं आ रही है जो तकनीकी रूप से इतनी विकसित हो जितना उसका चक्र था।

थी न! यह चैंबर इन चौकोर पत्थरों से बंद था। और ये पत्थर हवा में ऐसे उड़ रहे थे, मानो ये हीलियम भरे गुब्बारे हों। जरूर यहां पर कोई ऐसा यंत्र है जो एंटी ग्रेविटी जैसा प्रभाव फैला रहा था!
इस टेबल जैसी स्लैब पर कुछ रखा है। कहीं यह वही यंत्र तो नहीं?
अरे! यह तो रेडियम जैसी कोई चीज है।
शायद इसी की मदद से वह आदिमानव इतने वर्षों तक सुषुप्तावस्था में जीवित रह पाया होगा!
इसकी चमक तो ठीक वैसी ही लग रही है जैसी... हफ्... उस मौत के हाथ में पैदा हुए गोले में थी। मुझे वैसी ही कमजोरी लग रही है। मैं...आऽऽह!
मेरा... दिमाग...
मुझे...मुझे यह क्या दिखाई दे रहा है?

क्या हुआ नागराज तुम ठीक तो हो?
ह...हां! मैं ठीक हूं!
यह जरूर रेडियो एक्टिव पदार्थ है। इसका तुम्हारे शरीर और दिमाग पर असर हो रहा है, नागराज।
मैंने इस चमकते पदार्थ को 'लेड बॉक्स' में बंद कर दिया है।
मुझे कुछ दृश्य दिखाई दिए, लेकिन यह कमजोरी के कारण नहीं हुआ था।
ऐसा लगा जैसे कि इस चैंम्बर में सदियों से बंद कुछ यादें मेरे दिमाग से संपर्क जोड़ रही हों।
एक महाकाय टी-रेक्स! जिसने अजीब सा कवच पहना हुआ था।
और वह अत्याधुनिक हथियारों से लड़ रहा था। शायद कुछ मानवों को मार रहा था।
कहीं तुमने अंदर आते वक्त, गुफा की दीवारों पर बने भित्तिचित्रों को तो नहीं देख लिया? शायद वे तुम्हारे दिमाग में बसे रह गए हों!
कैसे भित्तिचित्र?
ऐसे भित्तिचित्र।
इन भित्तिचित्रों को मैंने नहीं देखा! पर... पर वह टी-रैक्स ऐसा ही था।
यानी उस आदि मानव का इस अद्भुत डायनोसोर से भी कोई संबंध है।
अभी सुआरा और मौत की ही गुत्थी अनसुलझी है अब यह नई पहेली।
अब तो इस गुत्थी को सुलझाना अति आवश्यक होता जा रहा है।
"...और मुझे ये सारे जवाब लैब से ही मिल सकते हैं।"
य...यह नहीं हो सकता! या तो मैं पागल हो रहा हूं, या मेरे इंस्ट्रुमेंट्स खराब हो गए हैं।
इन अंगुलियों की कोशिकाएं जीवित हैं और ये लाखों... शायद करोड़ साल से भी ज्यादा पुरानी हैं।
और इनमें पड़े छल्ले जिस तत्व से बने हैं वैसा तत्व तो हमारी पीरियोडिक टेबल में है ही नहीं।
ऐसा लगता है जैसे इस छल्ले के अलग-अलग पुर्जे एक दूसरे से बात कर रहे हों।

लाखों सालों से पहले ऐसी तकनीक! और इंसान तो तब शायद थे ही नहीं!
य...यह खोज तो हमारी सभी सोचों से परे है।
उस समय का तो कोई कच्चा चिट्ठा तक नहीं है हमारे पास!
अब उस समय का इतिहास तो वही बता सकता है...
जिसकी उम्र लाखों वर्षों की हो।
क्या कोई आपसे भी अधिक उम्र का प्राणी है जो यह जानता हो?
है!
तुम जिस काल का इतिहास पूछना चाह रहे हो, नागराज, वह मेरे उद्भव से भी पहले की बात लगती है।
इस संसार में कई बार अलग-अलग कारणों से समूल विनाश हो चुका है और हर बार देवों की सहायता से चंद बचे मानवों ने फिर से अपने पैर जमाए हैं। बस उनका स्वरूप थोड़ा-थोड़ा अवश्य बदलता गया।
तुमने अगर किसी विशालकाय कवचधारी सरीसृप से मानवाकृतियों को लड़ते देखा है तो यह निःसंदेह अद्भुत है। क्योंकि मेरी जानकारी में उन्नत मानव और सरीसृप कभी भी एक साथ नहीं रहे।
और उन्नत सरीसृप जैसी चीज तो मैंने कभी सुनी ही नहीं।
पर मैंने वहीं दीवार पर एक भित्तिचित्र भी देखा है। सुआरा जैसी मानवाकृतियां एक कवचधारी डायनोसोर से लड़ रही थीं। यह महज कल्पना नहीं हो सकती।

और वह जीवित भी है। यह **नागसिंहा वृक्ष** यहां नागद्वीप में तब से है जब मैंने और नगीना ने नागद्वीप पर पैर भी नहीं रखे थे।

जब भी मुझे कोई ऐसी उलझन होती है, तो मैं यहां पर आकर उस प्रश्न को पूछता हूं।

कई बार तो ऐसा आभास भी होता है कि इसी दिव्य वृक्ष ने हमें प्राचीनकाल में यहां पर जान बूझकर बुलाया था!

मुझे ध्यान लगाना होगा।

दरअसल मैं भी पहली बार इनसे उस अज्ञात काल का...ओह!.. आश्चर्यजनक!!

इस द्वीप की स्थापना करोड़ों वर्ष पहले एक मानव ने की थी। और वही इस द्वीप का संरक्षक भी है और स्थापक भी।

एक मानव ने नागद्वीप की स्थापना की! पर क्यों?

शायद वह तेजी से विकसित हो रही सर्प प्रजाति को बचाना चाहता था!

'बसाने' का मकसद तो 'बचाना' ही होना चाहिए! क्या इसका उत्तर नागसिंहा वृक्ष के पास नहीं है?

ये उतना ही बताते हैं जितना कि हम समझ पाएं!

अक्सर निरर्थक जानकारी की अधिकता घातक हो जाती है।

मुझे... मुझे अपने मस्तिष्क में कुछ दिखा, महात्मन्!! यहां...यहां पर उस रक्षक की एक मूर्ति है!!
कहां?
पर क्या?
यहां!.. यहां पर एक द्वार है!!
द्वार! भूमि में! पर भूमि तो...
सपाट..! आश्चर्य!! जमीन के नीचे कुछ है!!
यह तो वही मूर्ति है, जिसकी झलक... नहीं! य... यह नहीं हो सकता।
यह संभव नहीं है।
यह मूर्ति...
...सुआरा की है!!
वही आदिमानव जिससे मैं अभी टकराया था और जिसके बारे में पूछने के लिए आपके पास आया था।
नागसिंहा वृक्ष के अनुसार यही तो हमारे स्थापक हैं।
ओह! यह... यह मूर्ति तो सजीव है!
सजीव मूर्ति!! मूर्ति सजीव कैसे हो सकती है?

देखिए! इस मूर्ति की वही दो अंगुलियां कटी हैं जो मेरे धारनागों ने काटी थीं।
और...
देखिए!... मूर्ति फिर से अपने आप पूर्ण हो रही है।
सुलझाने की कोशिश में गुत्थी और उलझ गई है।
यह सजीव मूर्ति यहां क्या कर रही है? और... सुआरा किसी ड्रैगन किंग को ढूंढ रहा था! कहीं वह उसी से सर्पों की रक्षा तो नहीं कर रहा था।
पर.. ये सब घटनाएं सिर्फ मुझे ही अपने मस्तिष्क में क्यों नजर आ रही हैं? सिर्फ मुझसे ही संपर्क क्यों बना रही हैं ये प्राचीन घटनाएं?
ड्रैगन किंग?
ऐसा नाम तो मैंने कभी किसी प्राचीन नागपुराणों तक में नहीं सुना।
"कौन हो सकता है यह ड्रैगन किंग जिसे हमारे संरक्षक ढूंढ रहे थे? अवश्य यह ड्रैगन किंग वही खतरा होगा जिससे कि वे हमें बचाना चाहते थे।"
"मैं सहमत हूं, महात्मन्! अब तो ड्रैगन किंग का नामोनिशान तक नहीं बचा होगा। रक्षक सुआरा उसे ढूंढेंगे कहां? और ढूंढेंगे तो क्या?"
यह रही हमारे शिकार सुआरा की आत्मा, उसकी प्रतिछाया।
इसका शरीर मानव बस्ती के बाहर सुरक्षित स्थान पर पड़ा है।
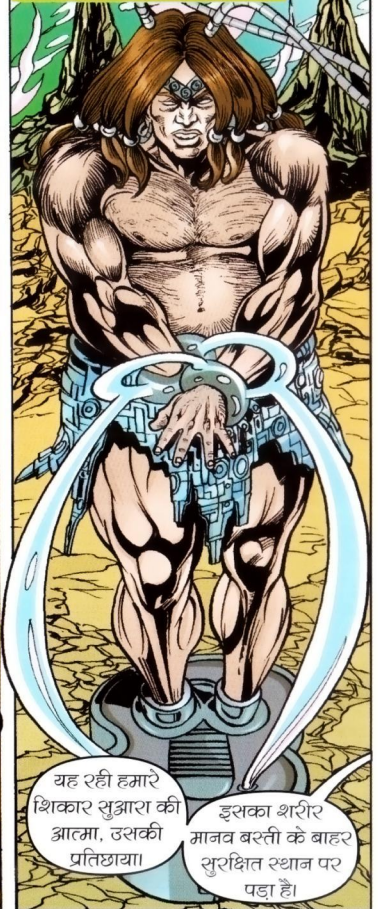
लेकिन हमारे इतने लंबे इंतजार के बाद इसे यहां लाने का कोई फायदा होता नजर नहीं आ रहा है।
हमारा शक तो इसी पर था, पर इसकी मेमोरी में वह डाटा है ही नहीं जिसकी तलाश में हमने करोड़ों वर्ष यूं ही बिता दिए।
हम अब भी पृथ्वी पर नहीं जा सकते।
...तो हमें पृथ्वी को भूलना होगा...
और विलुप्त प्रजाति बनना होगा!
क्योंकि अब हमारी ऊर्जा लगभग खत्म हो चुकी है।
अब कहां मिलेगा वह डाटा?
क्योंकि सिर्फ वहीं से हमें 'अवरोध नाशक मंत्र' मिल सकता है। अगर समय रहते हमें वह मंत्र न मिला तो...
एक पल ठहरो। इसकी मेमोरी का एक बहुत छोटा सा हिस्सा गायब है। और उसके संकेत मुझे पृथ्वी से मिल रहे हैं।
पर उस सटीक बिंदु का पता लगाना मुश्किल हो रहा है।
समझा! इसने अपने उस भाग को कहीं सुरक्षित छोड़ रखा होगा! ताकि अगर यह किसी कारणवश न जागे तो वह मेमोरी एकदम विलुप्त न हो जाए!
और अब उस मेमोरी ने किसी ऐसे जीवित मस्तिष्क को ढूंढ लिया है, जहां वह जिंदा रह सके। पर ऐसी मेमोरी को आम इंसान धारण नहीं कर सकता!

एक दिमाग है ऐसा पृथ्वी पर। यह वही हो सकता है जो सुआरा को मात दे सके और मुझसे भिड़ने की हिम्मत कर सके। और वह इस युग का दिमाग है। वह सुआरा की प्राचीन यादों के स्थानों को, वर्तमान परिवेश में फिट कर सकता है।
लेकिन पता नहीं उसके पास ड्रैगन किंग का पता ढूंढने के लिए पर्याप्त मेमोरी है भी या नहीं।
सुआरा में उचित बदलाव करके वापस भेजो। फिर से जोड़ो इसकी मेमोरी उस मानव मस्तिष्क से।
ऐसी प्रोग्रामिंग करो कि यह उस मानव की मदद से ड्रैगन किंग को ढूंढ भी निकाले और उससे 'अवरोध तंत्र' के 'अनलॉक कोड' और उसकी स्थिति की जानकारी भी हासिल कर ले।

"उसके बाद हमारे लिए सब कुछ आसान हो जाएगा।"
और मेरा रोग निवारण महानगर के स्नेक पार्क के डायरेक्टर, डॉक्टर करूना-करन के अलावा और कोई कर नहीं सकता।
मुझे किसी बड़ी विपत्ति के आने का आभास हो रहा है। और अगर मुझे उससे निपटना है तो मुझे अपनी शक्तियों के आने-जाने का रहस्य जानना ही होगा!
इसके अलावा ऐसा मेरे साथ पहले भी एक-दो बार हो चुका है।
तुम जानते ही हो कि तुम्हें अपनी नई शक्तियां नागदंत के विष को अपने शरीर के विष में समाहित करने के कारण मिली हैं!
क्योंकि उस वक्त उसके शरीर में मेरे द्वारा बनाया गया रेडियोधर्मी सुपर वेनम दौड़ रहा था!!

लेकिन अभी की रीडिंग बता रही हैं कि अब उस सुपर वेनम के रेडिएशन लेवल काफी नीचे गिर चुके हैं! इसी कारण से तुम्हें अपनी शक्तियों में उतार-चढ़ाव महसूस हो रहे हैं।
और अगर किसी कारण से यह रेडिएशन एकदम अवरुद्ध हो गया तो तुम्हारी नई शक्तियां चली जाएंगी!

और साथ ही तुम्हें तेज कमजोरी का आभास भी होगा, क्योंकि अब तुम्हारा शरीर सुपर वेनम की शक्ति का आदी हो गया...

ओह! यह क्या?
क्या हुआ?
मुझे फिर से अपने दिमाग में दृश्य नजर आ रहे हैं!!

"मिस्र में खुफू के गिजा पिरामिड और उसके पास वही डायनोसोर खड़ा है। साथ में अन्य डायनोसोर भी हैं।"

यह संयोग नहीं हो सकता।
क्या संयोग नहीं हो सकता?
सौडांगी इस वक्त अपने घर में है, खुफू के पिरामिड के नीचे मिस्री सर्पों की बस्ती में। और अगर मेरा पूर्वाभास सही है तो अगला खतरा वहीं पर दस्तक देगा!

मुझे मदद के लिए वहां जाना होगा।
nake Pa
ठहरो, नागराज! तुम्हारे टेस्ट अभी पूरे नहीं हुए हैं।
अगर वहां तुम्हारा सामना सुआरा जैसे प्राणियों से हुआ तो तुम्हारी शक्तियां फिर से अवरुद्ध हो सकती हैं!

"मैं रुका तो विनाश नहीं रुकेगा, डॉक्टर!"
इसने सुआरा की मेमोरी को वर्तमान में रिकॉर्ड कर लिया है। यह भूमध्य रेखा और समय रेखा की संधि की तरफ बढ़ रहा है। हमें पहले ही समझ जाना चाहिए था। सुआरा की प्रतिछाया को तुरंत सुआरा के शरीर में डालो और उसे इसी बिंदु पर भेजो।
"सतह पर जाकर देखें तो कि यह किस किस्म का भूकंप है!!"
मैं अभी तक समझ नहीं पाई, सौडांगी कि तू अपना घर छोड़कर, नागराज के शरीर में रहकर क्यों मारी-मारी घूमती है?
वहां रहकर अपनी तंत्र-शक्तियों का कभी-कभी कुछ इस्तेमाल तो कर लेती हूं। यहां तो उनमें जंग लग रहा था।
अब यहां पर पिरामिड के नीचे तो...
...कोई बड़ी मुसीबत आने से रही!!
ओह! मैंने कुछ जल्दी बोल दिया क्या? भूकंप आ रहा है क्या?
आज तक तो नहीं आया अब किसने बुलाया?
पचपच बाद में करना। दफन नहीं होना है तो पहले यहां से निकलो।
अरे! ये... यह है कौन जो टनों भारी पत्थरों को कंकड़ की तरह उछाल रहा है।
पर... यह ऐसा कर क्यों रहा है? यहां पर तो पिरामिडों में कोई रास्ता भी नहीं होता।

पर इसके वार पिरामिड की नींव तक को हिला दे रहे हैं। इसे रोका नहीं गया तो हमारी हजारों साल पुरानी बस्ती पिरामिड में मिल जाएगी।

यह क्या? इस तंत्र जाल से तो कोई जीवित प्राणी बच ही नहीं सकता। फिर यह...

आऽऽऽह!
यह तंत्र को नहीं मानेगा।

इससे तो सिर्फ...

...नागराज ही पार पा सकता है।

नागराज!
तुम... तुम्हें याद किया और तुम हाजिर! यह कैसे?

लंबी कहानी है, सौडांगी।
बस इतना जान लो कि वे दोस्त हैं, दुश्मन नहीं। कुछ गलतफहमी लगती है, अरे! वे तो अंदर चले गए!!
मुझे इनके पीछे जाना होगा, सौडांगी।
इनके? पर... ये हैं कौन?
जल्दी ही जान जाओगी, सौडांगी।

यहां पर तो पिरामिड में कुछ नहीं होता है। इस चित्र के अनुसार तो सिर्फ एक ही गलियारा है जो आगे जाकर मृत फेराओं के कक्ष में खुलता है। फिर यह...

...नहीं। आगे रास्ता है। पहले से बनाया गया एक रास्ता!! पर यहां पर... यह सामने क्या चमका?

ओह! डिफेंस मेकेनिज्म। और वह भी हाई पावर लेजर बीम के!
अगर मैं ऐन वक्त पर ईच्छाधारी रूप में न बदला होता तो मेरे टुकड़े भी न बचते!

पर...पर ऐसा कैसे हो सकता है? हजारों साल पुराने पिरामिड के अंदर हाई-टेक मॉडर्न सिक्योरिटी सिस्टम।
और सुआरा यहां क्या कर रहे हैं?
मैंने तो उस मानसिक दृश्य में डायनोसोर्स को देखा था!

शायद मेरी सोच सही है। डायनोसोर्स यहीं-कहीं पर हैं और सुआरा उनका हमेशा के लिए अंत करके हमें हमेशा के लिए सुरक्षित करने यहां पर आए...
अरे...
यह क्या?
अनाधिकृत प्रवेश के लिए तुमको अमर रक्षक मृत्युदंड देते हैं!
अब यह क्या मुसीबत है? कम्बख्त दीवारों से पैदा हो गए। और यहां पर इनसे लड़ने की जगह तक नहीं है।

खैर! सबसे पहले तो इनके...
...हथियार इनसे अलग करके स्थिति को संतुलित करना है।
फिर ये चाहे दस हों, बीस हों या सौ! मैं इनसे निपट लूंगा!
क्योंकि अब न मेरे पास हथियार हैं और न इनके पास... अरे?
ये खुद ही हथियार हैं। हड्डी बढ़ा कर धारदार तलवार बना ली!
यानी ये हाड़-मांस के ही बने हैं।
फिर ये विष फुंकार से बच नहीं पाएंगे।

ओह! फुंकार का कोई असर नहीं।
और इनकी तादाद बढ़ती जा रही है। मुझे भी अपने शरीर से ईच्छाधारी सर्पों को निकालना होगा।

यह क्या? मुसीबत का डबल डोज?
नहीं! यह तो... मदद का डोज है! पर किसका?

ओ, सौडांगी।
तुमने क्या समझा था कि मैं तुम्हारा पीछा छोड़ दूंगी?
चकित तो हूं मैं!
पर इस बात पर कि तुम्हें इतनी देर क्यों लगी?

ये तो पैदा होते ही जा रहे हैं। इन्हें रोकना होगा!
मैं इनकी पैदाईश को रोकती हूं....

तुम इन पैदा हो चुके शैतानों को रोको।

सौडांगी के तंत्रजाल ने दीवारों पर फैलकर अमर रक्षकों का बाहर निकलना रोक दिया।

और फिर अगले कुछ पलों तक उस चौकोर सुरंग में धमाकों का सिलसिला जारी रहा!

यह कोई वीडियो गेम है क्या? रास्ता बंद! अब आगे का रास्ता ढूंढो।
हो सकता है, सौडांगी। ये सुरक्षा अवरोध लगते तो आधुनिक गेम जैसे ही हैं।
अरे! य... यह पत्थर आगे आ रहा है। हमें बाहर की तरफ धकेल रहा है।
इस गति से तो जल्द ही यह हमें बाहर कर देगा।
मेरी शक्ति इसे रोक नहीं पा रही है, सौडांगी!
पर..पर इस पत्थर पर क्या लिखा है।
यह अर्वाचीन मिस्री लिपि के शब्द हैं, चित्रों के रूप में।
पर यह भाषा तो प्राचीन मिस्र तक में मृत मानी जाती थी।
यहां इसे लिखने का क्या कारण है, यह है क्या?
समझा! यह की-बोर्ड है। इन अक्षर चित्रों को कीज की तरह दबाओ और ड्रैगन किंग टाईप करो।
उस जमाने में की-बोर्ड?
उस जमाने में ड्रै-गन?
ठीक है, ठीक है। समझ गई। लो, तुम्हारे मन की ही कर देती हूं!
ये दबा ड और फिर...रै... और फिर..! हां! लो! हो गया पूरा...
ड्रैगन किंग!
अरे, इस चट्टानी दीवार को क्या हो रहा है?
यह पानी बन रही है।
और..और.. यह हमें...
...डुबो रही है!!
संभलकर, सौडांगी! हम नीचे डूबते जा रहे हैं।
नीचे से... ओफ्फ... तेज खिंचाव आ रहा है।
न जाने यह धारा हमें...

...कहां लेकर के जाएगी।
यह हम कहां पर आ गए हैं?
पता नहीं!...
...लेकिन देखकर तो ऐसा लगता है, जैसे कि हम भविष्य की किसी नगरी में आ गए हैं।

आह!!!
क्या हुआ नागराज?
मुझे एकाएक कमजोरी महसूस हो रही है। हाल में ऐसा ही एक-दो बार और हो चुका है। पर...मुझे अपने आपको संभालना होगा!
रहस्य के इतना करीब आने के बाद मैं एक पल के लिए भी आराम नहीं कर सकता!
यहां पर तो पूरा शहर बना हुआ है। अद्भुत ईमारतें और विशाल मुख्य द्वार! यहां राक्षस रहते थे क्या?
और..और हवा में तैरते उन ताबूत जैसे बक्सों में क्या है?
मेरा भी सबसे पहला ध्यान इन पर ही गया था। अभी देखता हूं...
...कि इनमें क्या...? यह नहीं हो सकता! यह असंभव है।
इनमें तो... भविष्य की तकनीक से लैस डायनोसोर्स हैं। सुषुप्तावस्था में। किसी किस्म का 'टाइम कैप्सूल' लगता है यह 'ताबूत'।

"अब बताओ, नागराज! क्या है यह सारा किस्सा? कौन हैं सुआरा देव?"

सुआरा!!
तू मुझे जगाने आया था या हमेशा के लिए सुलाने?

कितने वर्ष हो गए मुझे?... अरे! इतने लाख वर्ष बीत गए...
और तू अब उठाने आया है मुझे। खैर, पहले बता, हुआ क्या है? तू भी तो निद्रा में था। कैसे टूटी तेरी निद्रा..?
मुझे 'डिलीशन कोड' चाहिए!
कोड तो तुझे पता हैं। तू उन्हें भूल कैसे... अरे! तू बदल गया है। उन्होंने बदल दिया है तुझे!! यह साजिश है।
तूने उन्हें यहां का रास्ता दिखाया है। बता!!
और कौन संधक आया है तेरे साथ?
हमें सुआरा देव की मदद करनी होगी।
धड़ाम
मैं... मैं... सपना तो नहीं देख रहा?
अत्याधुनिक आवरण से लैस विशालकाय डायनोसोर?
और यह सुआरा देव पर भारी पड़ रहा है!...
ओऽऽह! वार तो शक्तिशाली था! तो यह है वह संधक जिसे तू लेकर आया है।

एक ऐसा बायोलॉजिकल रोबॉट जो अपने शरीर से दूसरे बॉयोलॉजिकल रोबॉट्स को उत्सर्जित कर सकता है।
काफी तरक्की कर ली है तुम्हारे आकाओं ने! लेकिन ड्रैगन किंग से कम!
यह बोल भी सकता है!!
लगता है तेरे आकाओं ने तुझे शक्तियां तो दे दीं!
पर दिमाग बनाने में कंजूसी कर गए।
...सुआरा! सुआरा कहां गया?
...वर्ना तुम यह तो समझ ही लेते कि ये सर्प, मेरे लिए दुध मुंहे बच्चों जैसे हैं।
अब मैं तुम्हें दिखाता हूं ड्रैगन किंग की शक्ति! तकनीक से न तुम आज से लाखों साल पहले मुकाबला कर सकते थे, और न लाखों वर्ष बाद कर पाओगे।
आऽऽह! बवंडर, यह हवा को खींचकर अपने अंदर, एक 'लो प्रेशर' क्षेत्र पैदा कर रहा है।
फेफड़ों की हवा तक बाहर खिंचती जा रही है।
तेरे साथी संधक तो बहुत साधारण निकले...

पर इसने तो ड्रैगन किंग का ध्यान अपनी तरफ खींचकर सुआरा को बच निकलने का मौका दे दिया और हमारा काम आसान कर दिया!
हम तो समझ रहे थे कि नागराज के आ धमकने से समस्या पैदा हो जाएगी!
ड्रैगन किंग से तो वे कोड मिलने से रहे! अब अगर सुआरा उस अवरोधक यंत्र को ढूंढकर उसे ही नष्ट कर दे तो हमारा काम बन जाएगा!
पर... क्या ड्रैगन किंग उसे...

"इतनी आसानी से अपनी सदियों की मेहनत को मटियामेट करने देगा?"
उठो! जागो!! खतरा एक बार फिर सिर पर मंडराने लगा है।
सुआरा को उन्होंने रि-बूट करके यहां भेज दिया है। और वह कोड जानना चाहता है। उसे ढूंढो!

"अवरोधक के कोड, किंग? पर वह कोड तो सिर्फ आप..."
"...जानता हूं। वह कोड उसे नहीं मिल सकते! पर अगर वह छानबीन करता रहा तो वह ड्रैगन सिटी का 'टर्मिनेशन बटन' जरूर ढूंढ लेगा। क्योंकि इस वक्त वह अपने आकाओं के अनुसार चल रहा है।"

काश, हममें इतनी शक्ति बची होती कि हम इसका विपरीत बवंडर पैदा कर...

विपरीत बवंडर! मिल गया रास्ता!!

बस अगर मैं अपनी बची-खुची शक्ति को समेटकर नागों को बवंडर की पकड़ से बचाकर...

मैं तुम्हें अपने पास खींच सकूंगा!

और तुम्हारे साथ-साथ तुम्हारा बवंडर भी खिंचेगा...

...और मुझे घेरे बवंडर से टकराएगा। अब ये मिले तो इनकी शक्ति या तो दोगुनी हो जाएगी या ये...

एक दूसरे को नष्ट कर देंगे। आऽऽह!!
सांसें वापस आ रही हैं!
अब... सुआरा देव की मदद को चलें!
उनकी मदद यही होगी, सौडांगी कि हम चमकते गोले को नष्ट करके ड्रैगन आर्मी की शक्ति को क्षीण कर दें।
पर तुम जैसे-जैसे इसके पास जाओगे, तुम्हारी शक्ति और कम होती जाएगी। और तुम इतनी ऊपर पहुंचोगे कैसे? तुम्हारी उड़ने की शक्ति तो पहले ही काफी कमजोर हो चुकी है।
ये हवा में उड़ते ताबूत! ये मेरे लिए...
...सीढ़ी का काम करेंगे!...
"बस तब तक सुआरा देव तक यह ड्रैगन सैनिक ना पहुंच पाएं।"

यह खेल खेलना समय की बर्बादी है। इस एक वार से यह राख बन जाएगा!
...जब तक मैं इस गोले को नष्ट...हम्फ् करने का तरीका... न ढूंढ लूं...!!
सुआरा के पीछे मौत लग चुकी थी।
और नागराज अभी भी अपनी मंजिल से काफी दूर था।
तरकीब...हम्फ्.. काम आ रही है!...
पर... अह.. इस गोले के और पास पहुंचने से मेरी बढ़ी हुई ताकतें तेजी से कम हो रही हैं।
बस, मैं देव कालजयी से प्रार्थना भर कर सकता हूं कि मेरी बची-खुची शक्ति को तब तक सलामत रखें...
सदियों बाद चकित कर देने वाली किसी चीज से पाला पड़ रहा है मेरा! तू मेरी 'एयरटनल' से बच गया और इतना कमजोर होने के बावजूद यहां तक पहुंच गया।
तुझे कम आंक कर मैंने गलती की थी!! तू तो बड़ा छुपा हुआ संधक निकला!!

तुम भी काफी छुपे हुए डायनोसोर निकले। मुझे तो अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि करोड़ों वर्षों के बाद भी पशुओं की तरह रहने वाले डायनोसोर जीवित हैं...
और ऐसी अत्याधुनिक तकनीक के बीच में रहते हैं और मानवों की जान के दुश्मन हैं।
मानवों के दुश्मन?... खैर! एक संधक यही सोचेगा! वैसे मुझे पता है कि मैं करोड़ो वर्ष बाद सुषुप्तावस्था से जागा हूं।
पर इसका कारण तुम्हारे वही आका हैं जिन्होंने तुम्हारी मेमोरी में यह तक नहीं भरा कि हम उनसे कहीं ज्यादा उन्नत सभ्यता हैं।
शायद शर्म आती है उन्हें सच स्वीकार करने में।
आकाओं का तो मुझे पता नहीं; पर हम मानव यही जानते हैं कि डायनोसोर करोड़ो वर्ष पहले इस धरती पर विचरण करते थे और उन्हें तकनीक का 'त' तक नहीं पता था।
मानव? जानते भी हो मानव विकास का इतिहास?
अच्छी तरह! करीब 15 लाख वर्ष पूर्व आधुनिक मानव विकसित होना शुरू हुआ था। और पिछले 10,000 वर्षों में हमने अत्यधिक तेजी से तकनीकी प्रगति की है।
मूर्खता में काफी प्रगति की होगी! अगर मानव दस हजार वर्षों में हुए विकास को प्रगति कहते हैं, तो हम डायनोसोर 65 करोड़ सालों तक सिर्फ घास-पत्ती खाकर जीवित नहीं रहे।
वैसे तुम अपने आपको मानवों में क्यों गिन रहे हो? तुम तो संधक हो ना? अपने आकाओं द्वारा बनाए गए एक बायोलॉजिकल रोबॉट! सुआरा की तरह!
सुआरा रोबॉट है! बकवास! वैसे बायोलॉजिकल रोबॉट जैसी चीज तो मैंने आज तक नहीं सुनी। और मेरा कोई आका नहीं है।
तुमसे इतनी बातें करके मुझे सिर्फ इतना समझना था कि वे आजकल किस स्तर के रोबॉट्स का निर्माण कर रहे हैं... यह काम हो गया!

अब मुझे तुम्हारा इतना भयानक अंत करना है कि तुम्हारे आकाओं को यह संदेश मिल जाए कि वे चाहे जितने अद्भुत संधक बना लें, ड्रैगन किंग उनपर हमेशा भारी पड़ता रहा है। और पड़ता रहेगा!
जैसे कि 'डॉमिनो एनर्जी' का वार! यह तुम्हारे शरीर की हर कोशिका में जाकर, उसी की जैविक ऊर्जा का प्रयोग करके, कई गुना बढ़ेगी, और तुम्हारे रोबोटिक शरीर को बम की तरह फोड़ देगी।
"बस मुझे यह नहीं समझ में आया कि अगर तू संधक है तो तू रेडिएशन यानी इस सूर्य के पास आकर कमजोर क्यों पड़ रहा है?"
"तेरी शक्ति तो 'सुआरा' की तरह बढ़ जानी चाहिए थी।"
मुझे लगता है कि सुआरा सेल्फ-डिस्ट्रक्टिव कंट्रोल सेंटर के आसपास ही है। उसे इस मुसीबत से बचाना होगा!

"नई शक्तियां देनी होंगी इसे!"
हमारा शिकार और उसके पीछे आग?
समझा! यानी इसे पीछे से पहले ही हमारे साथी घेर चुके हैं। अब यह भूनने से...

...बच नहीं सकता! अरे! दीवार के पार जाने की शक्ति इसमें...

...कहां से आईऽऽऽऽऽऽ!

ओह! य... यह कैसे हो गया?
हमारे डैगन एक दूसरे की आग से ही भुन गए पर सुआरा कहां गया?

"उसका शरीर तक विखंडित हो गया क्या?"

सुआरा अवरोध तेजी से कम करके...
...अपने आकाओं की उम्मीदों के अनुसार ही...
...अपनी मंजिल के...
...करीब पहुंचता जा रहा था।
मैं जानता था कि ड्रैगन किंग जब भी कोई ऐसी सिटी बसाते हैं तो उसमें ऐसा डिस्ट्रक्शन सेंटर जरूर बनाते हैं।
ताकि उनकी तकनीक गलत हाथों में पड़ कर किसी गलत उपयोग में न लाई जा सके।
यह रहा कोडिंग पैनल!
बस अब मुझे डिस्ट्रक्शन सिक्वेंस को चालू करना है।
अरे!...

विध्वंस कोड चालू तो हो गया है।
पर... यह किसी के आदेश का इंतजार कर रहा है।
"पर किसका?"
डॉमिनों एनर्जी तुझपर असर करने में जरूरत से ज्यादा टाईम जरूर ले रही है, संधक।
पर जल्दी या देर से...
असर होगा जरूर!
धमाकेदार असर।
अब मैं तुम्हारे साथ आई दूसरी संधक को ढूंढकर उसका भी...
यही हाल करूंगा! आऊSSSS!
इस बॉक्स के अंदर तो मुझे तुमने ही फेंका था!
इसकी दीवारों में शायद तुम्हारे 'चमकते सूर्य' का विकिरण सोखने की क्षमता है!
तू...तू डॉमिनो एनर्जी से बच गया? और तेरी शक्तियां भी बढ़ रही हैं। असंभव।
पर मैंने तो तुझे ताबूत में फटते देखा था!
मुझे नहीं, उस डॉमिनो ऊर्जा को फटते देखा था जो मेरे शरीर से एक साथ रिलीज हुई थी। और हां! मुझे बचाने के लिए शुक्रिया।
शुक्रिया? मैंने तुम्हें कब बचाया?
इन्होंने किरणें मुझ तक पहुंचने से रोकीं और मेरे शरीर को डायनो एनर्जी पर काबू पाने का मौका मिल गया।
और मेरी शक्तियां वापस आने लगीं।

ओऽऽऽ! ठीक समझे! ये दीवारें दरअसल चार्जर्स हैं। जो सुषुप्तावस्था के दौरान हमें ऊर्जा देने का काम करते हैं! गलती तो की है मैंने। पर इस बार मैं जो चीज तुम्हारे शरीर से निकालूंगा, वह कभी वापस नहीं आती।...
"और वह चीज है, तुम्हारी जान!"
ये शस्त्र उसी ऊर्जा के बने हैं जो उसी सूर्य में हैं। इनको अपने शरीर के अंदर घुसने से कैसे रोकेगा, संधक!
संधक नहीं, नागराज नाम है मेरा। और इस मुसीबत से निपटने के लिए यह ढाल तो मुझे तुमने खुद दे रखी है।
तू फुर्तीला जरूर है...
...लेकिन इनमें से हर शस्त्र तेरे शरीर पर लॉक हो चुका है।...
तू इस एनर्जी को अपने शरीर में घुसने से नहीं रोक सकता।
...अब तेरा तेरी सांसों के साथ आंख मिचौली वाला खेल खत्म!
अब ये निपटेंगे तुझसे! मुझे तेरी साथी को ढूंढने जाना है!

उसकी जरूरत नहीं है मैं यहीं पर हूं!
एक ऐसा संधक जो अपने शरीर में दूसरे संधक को रख सकता है! अविश्वसनीय! यानी उन्होंने जैविक रोबॉट बनाने में काफी प्रगति कर ली है।
अगर तू इतने से ही चकित हो रहा है, तो बेहोश होने के लिए तैयार हो जा! क्योंकि नागराज के शरीर में मेरे जैसे कई सर्प रहते हैं।
इतने कि तेरे एक सैनिक पर दस-दस इच्छाधारी सर्पों का हिसाब निकलेगा!
और इनपर तेरे चमकते गोले की किरणें कोई खास असर दिखा पाएंगी, ऐसा मुझे नहीं लगता।
मैं..मैं भ्रमित हो रहा हूं सर्प संधक!
क्या वे... ऐसा भी कर सकते हैं!! और...और जो मैं देख रहा हूं, उसपर यकीन करना मेरे लिए भी संभव नहीं है!
यकीन करो या न करो!
"...और साथ में तुम, ड्रैगन किंग!"
"लेकिन मानवों के दुश्मनों की यह डायनो सिटी आज नष्ट होकर रहेगी! और साथ ही नष्ट होकर रहेगी तुम्हारी ड्रैगन आर्मी..."

नाग रस्सियों के झटके से हवा में तैरते ताबूत, कठपुतलियों की तरह हरकत में आ गए।
और ड्रैगन किंग को चारों तरफ से घेरने लगे!
...मेरे ध्वंसक सर्प कर देंगे।
और जल्दी ही ड्रैगन किंग का शरीर ताबूतों की कई पर्तों की कैद के अंदर था!
इस चमकते गोले की किरणें, मेरी ताकत को कम करती हैं, ड्रैगन किंग, पर तुम्हारी ताकत यही किरणें हैं।
ताबूतों की पर्त इन किरणों का सम्पर्क तुमसे काट कर तुम्हारी शक्तियों को कम कर देगी। और बाकी का काम...
तुझ जैसा संधक हो भी सकता है... यह मैंने कभी सोचा तक नहीं था!...
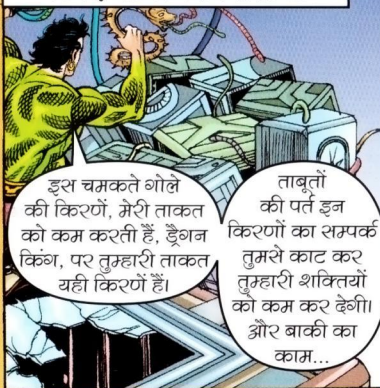
एक ताबूत में तुम्हें हमेशा के लिए आराम करने को जरूर दे देता, ड्रैगन किंग! पर अभी मुझे इनसे थोड़ा और काम है।
अभी तो इन्होंने सिर्फ तुम्हारी शक्ति को कम किया है। पर अब इन्हें तुम्हारी...
शक्ति के स्रोत को...
...खत्म करना है।
इसे बचाने के लिए ही मुझे 'ड्रैगन आर्मी' को यहां पर बुलाना पड़ा था।
ये...तूने क्या किया? ये सिर्फ एक 'एनर्जी ओर्ब' नहीं था, इसके अंदर 'डायनो सिटी' का 'विध्वंस-कोड' भी था!
लेकिन 'डायनो सिटी' अभी भी सुर-क्षित रहेगी क्योंकि जब तक...

"...इस कोड को ग्रहण करने वाला बटन नहीं दबेगा, तब तक डिस्ट्रक्शन चैंबर की मशीनें चालू नहीं होंगी।"
'डिस्ट्रक्शन कोड' चालू क्यों नहीं हो रहा है। कोई तो...
ड्रंक ड्रंक ड्रंक
अरे! चालू हो गया! यानि अब...
नागराज! ऊर्जा का स्रोत खत्म होते ही ये पुरानी मूर्तियों की तरह टूट रहे हैं।
गुड! अब ड्रैगन किंग का भी यही हाल होगा!
और हमारा भी। अगर हम यहां से तुरंत बाहर नहीं निकले तो।...
...देखो! पूरी सिटी धंस रही है और साथ ही एक भयंकर वैक्यूम भी पैदा कर रही है। चलो। अब वैसे भी यहां का काम पूरा हो चुका है।
पर सुआरा देव! हम तो सुआरा देव के पीछे आए थे ना।
अगर वह सचमुच देव हैं तो उनमें बचने की क्षमता भी होगी। अब चलो।...
"कुछ ही मिनटों में डायनो सिटी धूल में मिल जाएगी!"
"और इसके साथ ही ड्रैगन आर्मी और उनपर राज करने वाले डायनो-सोर ड्रैगन किंग का नामोनिशान हमेशा के लिए मिट जाएगा।"
सुआरा देव की प्रतीक्षा हम बाहर रहकर भी कर सकते हैं।
पूरी जमीन एक बार, कस कर कांपी।
लगता है डायनो सिटी पूरी तरह से जमींदोज हो गई है। यह आखिरी झटका था।
लेकिन सुआरा देव अभी तक कहीं नजर नहीं आए। कहीं वे भी तो जमींदोज नहीं हो गए!!

सुआरा के आका भी चिंतित थे! पर उनकी चिंता कुछ और थी।
सुआरा ने तो अपना काम कर दिया! डायनो सिटी नष्ट हो गई है! लेकिन बायो शील्ड अभी भी ज्यों की त्यों है। यह कैसे?
यानी शील्ड का 'कंट्रोल सेंटर' डायनो सिटी में नहीं था! ड्रैगन किंग चाल चल गया हमारे साथ!
अब तो वह छोटा सा कंट्रोल रूम पृथ्वी पर कहीं पर भी हो सकता है।
काश, हम पृथ्वी पर हो रही हरकतों को और बारीकी से देख सकते!
दूर से देखना और सतह पर जाकर देखने में बड़ा फर्क है। मानवों तक की प्रगति का सही अनुमान नहीं है हमें।
अब क्या जवाब देंगे हम अपने आश्रितों को जो हम पर अपनी सारी उम्मीदें टिकाए हुए हैं...
शांत रहो, शांत रहो!...
मुझे सुआरा के मेंटल वेव्स के पैटर्न मिल रहे हैं।
सुआरा अभी जिंदा है!!
सिग्नल मिस्र से नहीं, वहां से हजारों किलोमीटर दूर से आ रहे हैं।
और ये सिग्नल सुआरा की उस लुप्त स्मृति के हैं जो हमें मिल नहीं रही थी! पर सिग्नल बहुत कमजोर हैं।
इतनी ऊंचाई से उस क्षेत्र का सही अनुमान लगना मुश्किल हो रहा है। और हम खुद नीचे जा नहीं सकते।
उसका रास्ता भी है हमारे पास!
मैंने ऐसी स्थिति के लिए बैकअप इंतजाम सदियों पहले से कर रखा है।

"अब उस कयामत को ढाने का समय आ गया है।"
अब इंतजार करना बेकार है। सुआरा देव को आना होता तो अब तक आ गए होते।
वैसे उनकी खैरियत पता करने का एक तरीका है मेरे पास।
उनकी जीवित मूर्ति। मैं महात्मा कालदूत को...

"...संदेश भेजता हूं।"
...तुम्हारा सोचना सही है, नागराज!

सुआरा देव जहां भी हैं, सुरक्षित हैं। क्योंकि उनकी मूर्ति एकदम सुरक्षित...
पर... पर यह क्या? मूर्ति की आंखें एकाएक चमकने क्यों लगीं?

इनका... इनका तो पूरा शरीर...

तीव्र प्रकाश से... फट रहा है। आऽऽऽऽह!

अरे! क्या हुआ, नागराज?
पता नहीं। महात्मा कालदूत से संपर्क अचानक टूट गया। और अब कोई और शक्तिशाली संकेत मेरे सर्प संकेतों में बाधा डाल रहे हैं।
कैसे संकेत?
मैं दुबारा नागद्वीप से संपर्क स्थापित नहीं कर पा रहा।

"पता नहीं, सौडांगी। पर वे संकेत हैं महाशक्तिशाली!"
"मेरे खयाल से अब यहां पर कुछ और होने वाला नहीं है। हमें नागद्वीप पहुंचकर सही स्थिति का पता लगाना होगा।"
जलजला! जलजला!!
भागो! जमीन तो झूले की तरह हिल रही है!!
जमीन तो जमीन... नील के पानी को देखो!!
महानगर से शीतनाग का टूटा-फूटा संदेश आ रहा है...
"महानगर में भी एक ऐसी ही प्राणी जमीन के अंदर से, ईमारत की 26 मंजिलों को तोड़ती हुई उसकी छत पर आ निकली है।"
"शायद कोई रास्ता तलाश रही है।"
"खतरा बहुत विकट है, नागराज! ड्रैगन किंग से कई गुना ज्यादा बड़ा।"
"जलजला पानी को कैसे मथ रहा है!!"
"ऐसा जलजला तो कभी न देखा न सुना! यह जलजला है..."
"... या फिर कुछ और!"
लो! सुआरा देव तो यहां से प्रकट हो गए। और काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं।
ये सुआरा देव नहीं हैं, सौडांगी। पर लगते उनके साथी ही हैं। यह शायद वर्तमान समय काल से परिचित नहीं है। इसको रोकना होगा।
पर ये.. यह कैसे हो...
ओह!
अब क्या हुआ, नागराज?

दुनिया के विभिन्न संयंत्रों में तैनात स्नैक आई सिक्योरिटी एजेंसी के गॉर्ड्स द्वारा ऐसी ही सूचनाएं आ रही हैं।

यह कोई सुनियोजित षड्यंत्र है, सौडांगी! और वह षड्यंत्र क्या है...

यह सिर्फ यही बता सकता है।

आऽऽऽह! इसके शरीर से तो पसीने की जगह, एसिड निकल रहा है।

हमें संकेतों का पीछा करने से रोकने की कोशिश मत कर...

वर्ना तेरे शरीर में जीवन का कोई संकेत नहीं बचेगा!

यह दो रसायनों को मिलाकर धमाके कर रहा है। पसीने की जगह अम्ल निकालता है।

यह आदिमानव है या चलती फिरती केमिकल फैक्ट्री? खैर, इससे कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता!!

हमारा काम तो बस इसे रोकना है! और यह काम 'जल-जल' तंत्र आराम से कर सकता है!

ओफ! मैं तो भूल ही गई थी कि यह केमिकल की फैक्ट्री है। जल-जल की लपटें इसके सामने भला क्या ठहरेंगी! पर नागराज के संभलने तक तो मुझे इसे रोकना ही होगा।
यह हरी वाष्प भला मेरा क्या...
...बिगाड़ लेगी! अरे! मेरी दुम भारी क्यों होती जा रही है!! य.. यह...
...लोहे में परिवर्तित होती जा रही है। हे देव! अब तो मुझे सारी तंत्र शक्ति सिर्फ सतह पर बने रहने के लिए लगानी पड़ेगी।
इसे छूना घातक है! मेरे नागों का भी यही हाल होगा जो मेरे हाथों का एसिड ने किया है!
अब इसे तुम्हें अकेले ही रोकना होगा, नागराज।
इसकी तो नसों में भी शायद घातक रसायन ही दौड़ रहे हैं। यही इसकी शक्ति है और...
ओह! यही इसकी कमजोरी भी तो बन सकता है। अगर इसके रसायन आपस में मिलने से धमाका कर देते हैं। अगर वे इसके शरीर के अंदर ही मिल जाएं तो!!
यह काम नागफनी सर्पों द्वारा पैदा किए गए, प्लास्टिक जैसी चमड़ी वाले खास खनिज सर्प कर सकते हैं। इनकी खाल पर कई रसायनों का असर नहीं होता।
ये अलग-अलग रसायनों से भरी, इस आदिमानव की नर्व- प्रणाली को अंदर से जोड़ देंगे।
अलग-अलग रसायन आपस में मिलेंगे और मेरा काम हो जाएगा।

"इसके जैसे और भी कई पूरी दुनिया में अचानक पैदा हो गए हैं। उनकी भी कोई न कोई मंजिल जरूर होगी।"

"पता करो सौडांगी!"

अरे, तू है कौन और चाहती क्या है? किधर का रास्ता ढूंढ रही है?

0° अक्षांश; 67.5° देशांतर।

"आश्चर्य की बात है, नागराज!"

"मेरे पास करीब बीस स्थानों से 'स्नेक आई एजेंट्स' की इन आदि-मानवों से मुठभेड़ की रिपोर्ट आई हैं।"

"सभी आदिमानव सिर्फ एक ही बात बोल रहे हैं।"

0° अक्षांश; 67.5° देशांतर।

0° अक्षांश; 67.5° देशांतर।

"यह कौन सी जगह हो सकती है!"

0° अक्षांश; 67.5° देशांतर?

ये तो... नागद्वीप के कोऑर्डिनेट्स हैं!! ये सभी नागद्वीप की तरफ बढ़ रहे हैं।

मैं नागद्वीप से संपर्क नहीं कर पा रहा हूं! हमें तुरंत नागद्वीप पहुंच कर विसर्पी और महात्मा कालदूत को सचेत करना होगा।

"तुम सभी ईच्छाधारी सर्प गार्ड्स को संदेश भेज दो कि उनको किसी भी हालत में इन आदिमानवों को रोक कर रखना है!"
यह काम मैं पहले ही कर चुकी हूं नागराज!
सौडांगी! अगर तुम ठीक महसूस नहीं कर रही हो तो तुम मेरे शरीर में समा सकती हो।
नहीं, नागराज! पानी में डूबते ही मेरी दुम पर असर करने वाला रसायन घुलने लगा था।
अब भी भारीपन तो है लेकिन दिक्कत नहीं दे रहा है। मैं ठीक हूं। पर मुझे...
"...अपने स्नेक आई गॉर्ड्स की बहुत चिंता हो रही है। पता नहीं उनके पास इस मुसीबत से निपटने लायक क्षमता है भी या नहीं!"
आऽऽऽह! मैंने अपनी बर्फ को -250 डिग्री के तापमान तक पहुंचा दिया है। पर फिर भी यह उसको महसूस नहीं कर रही है।
इसकी रगों में खून जैसा कोई तरल पदार्थ बह भी रहा है या नहीं?
लेकिन अगर शीत शक्तियां इसके बाहरी शरीर पर काम नहीं कर रही हैं तो शीतवार इसके शरीर के अंदर करना पड़ेगा।
हर जीवित प्राणी के शरीर में जल की अच्छी खासी मात्रा होती है। और पानी एक ऐसा खास द्रव है...
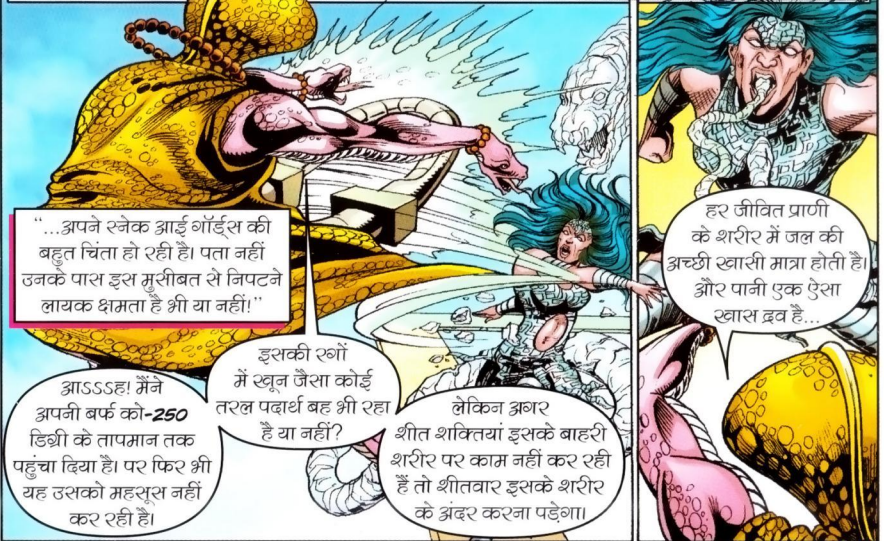
जो जब जमता है तो उसका आकार बढ़ जाता है।
मैंने कहा तो था कि यह इस ईलाके से बाहर नहीं जाएगी।
लेकिन अगर यह इस एरिया से बाहर जाकर गिरे, तो इसमें मेरी कोई गलती...
...नहीं है।
अरे! यह तो संभल रही है और...और वापस आ रही है।
यह इंसान है या रोबॉट!
आऽऽऊऽऽ! यह... असंभव है। मेरी शीत शक्तियां...
मेरे ही खिलाफ काम कर रही हैं। आऽऽऽह! मैं इस कैद से छूट नहीं पा रहा हूं।
सौडांगी मैं...मैं आदिमानवी को रोकने में असफल हो रहा हूं...

पृथ्वी के दूसरे हिस्सों में भी इच्छाधारी नागशक्ति आदिमानवों को रोकने में नाकाफी साबित हो रही थी!
क्योंकि इन 'आदिमानवों' की परा-शक्तियां भी उनकी समझ से परे थीं।
और शारीरिक शक्तियां भी।
आदिमानवों की सेना का नागद्वीप की ओर मार्च निर्विरोध जारी था।
"उस स्थान पर तो कुछ है ही नहीं।"
उस बिंदु का पता लग गया है, नायक! आपके द्वारा सुषुप्तावस्था से उठाए गए ये सभी बायोबॉट्स 0° अक्षांश 67.5° और देशांतर की तरफ बढ़ रहे हैं।
जानता हूं। सुन लिया है मैंने। पर समस्या कुछ और है।
यानी तुम कहना चाहते हो कि हम उनके यहां तक आने का इंतजार करें...
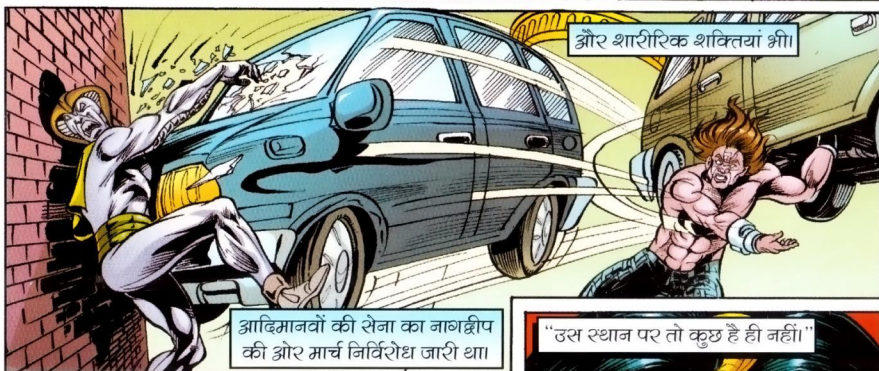
...ताकि वे अगर यहां तक आ गए, तो नागद्वीप को तहस-नहस कर सकें और मानवों के नगर सुरक्षित रहें!
मैं उन्हें नागद्वीप तक नहीं आने दूंगी। अगर उनसे लड़ना ही है तो यह युद्ध मानवों के क्षेत्र में लड़ा जाएगा।
मुझ पर नागद्वीप की सुरक्षा की जिम्मेदारी है और यह जिम्मेदारी मैं हर हाल में पूरी करूंगी। चाहे तुम मेरा साथ दो नागराज, या विरोध करो।
तुम्हारा कहना सही है। विसर्पी। लेकिन वे नागद्वीप किसी खास मकसद से आ रहे हैं।
ऐसे में अगर नागद्वीप की ही सुरक्षा कमजोर की गई तो नतीजे खतरनाक हो सकते हैं!
घबराओ मत! नागद्वीप के चारों तरफ हजार द्वीपों की एक शेषनाग श्रृंखला है। यहां से लगभग बीस योजन की दूरी पर! हम उनको वहीं पर रोकेंगे। नाग-द्वीप तक उनकी लाशें तक नहीं पहुंचेगी।
मैं और महात्मा कालदूत यहीं पर रुकेंगे!
महात्मा कालदूत हमारे सबसे प्रचंड योद्धा हैं। वे हमारे सुरक्षा-व्यूह का नेतृत्व करेंगे।
उनके तो यहां पर रुकने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता!

मुझे जाना होगा, नागराज! और इस युद्ध का नेतृत्व करना होगा।
मैं सेनापति की हैसियत से नागद्वीप की समस्त इच्छाधारी नाग प्रजाति के सभी योद्धाओं को शेषनाग द्वीपों पर चलने का आदेश देता हूं!
विसर्पी हमारी शासक हैं। उनका निर्णय हम सबको मान्य है और अंतिम है!
पर हम नागराज के निर्णय के साथ हैं।
हम नागद्वीप की धरती पर ही प्राण लेंगे या प्राण देंगे।
नागद्वीप पर अगर युद्ध लड़ा गया तो नागद्वीप बर्बाद हो जाएगा! तुम्हें या तो निर्णय मानना होगा या दंड भुगतना होगा, पंचनागों!
अगर जीवित रहे तो वह भी भुगत लेंगे महात्मन्!
पर हमें विश्वास है कि आपके शेषनाग द्वीपों पर रहते हुए कोई भी आफत नागद्वीप के तट तक नहीं पहुंच पाएगी!
दंड का निर्णय लौटने पर किया जाएगा!
चलो, सर्प सेना! अब हम हर द्वीप के लिए योद्धाओं का चयन करेंगे।

"प्रस्तर सर्प, तुम अपनी प्रजाति के सर्प योद्धाओं के साथ अग्र-शेषनाग द्वीप पर रहोगे!"
"तुम्हारा अडिग शरीर शत्रु के पहले धावे की तीव्रता को रोक लेगा।"
"धूम्र-सर्पों का कबीला उनके ठीक पीछे के सौ द्वीपों पर तैनात रहेगा!"
"तुम पर कोई भी जैविक या विध्वंसक वार असर नहीं करता।"
"गुंथी सर्पों का कबीला पश्चिम के द्वीपों से नाग-द्वीप की रक्षा करेगा।"
"तुम्हारे असाधारण मजबूत शरीरों से बने जाल पूर्ण गति से उड़ते वायुयान को भी रोक सकते हैं!"
"पूर्वी दिशा में विसर्पी अन्य महानायकों के साथ तैनात रहेंगी जो अग्र पंक्ति से बचकर पार आ गई विपदा को रोकेंगे!"
"और मैं जल के अंदर रहकर इस पूरे क्षेत्र पर नजर रखूंगा!"
"कोई भी खतरा जलगत होकर नागद्वीप तक पहुंच गया तो हमारा पूरा प्रयास व्यर्थ हो जाएगा।"
"अब बस हमें उस खतरे का इंतजार करना है, जो न जाने क्यों नागद्वीप की तरफ बढ़ रहा है।"
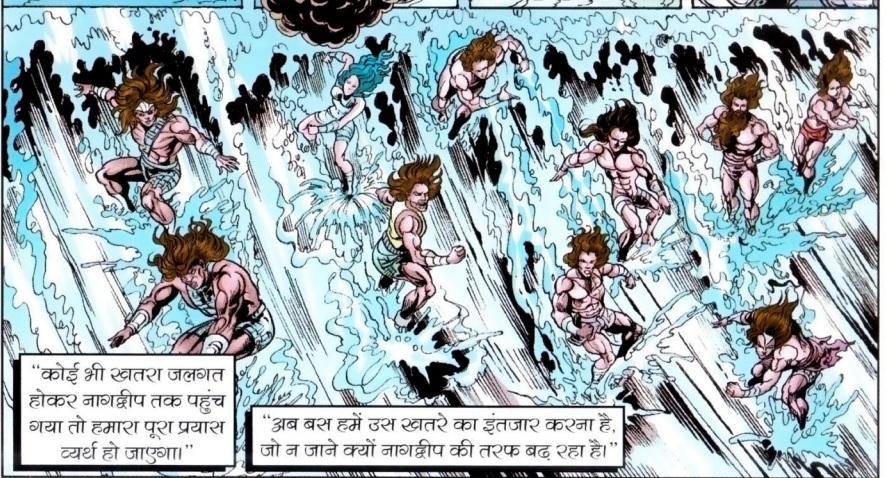
आदिमानवों द्वारा पैदा की गई वह प्रचंड लहर कोई भी पूरा बड़ा महानगर बहा ले जाने की शक्ति रखती थी।
परंतु प्रस्तर सर्पों के चट्टान जैसे शरीरों के बांध को वह डिगा नहीं पाई।
पहले वार में नागद्वीप ने बाजी मार ली थी।

और इस हार से भौंचक्के रह गए आदिमानवों पर काबू पाने में विशालकाय प्रस्तर सर्पों के चट्टानी वार कामयाब होते दिख रहे थे।

यह महासंग्राम बिना आंखों के भी देखा जा रहा था।
नायक! अचानक कई आकृतियां प्रकट होकर हमारी सेना का रास्ता रोक रही हैं।
और... वे सफल होती दिख रही हैं! इमेजर इनको नाग प्रजाति का बता रहा है।
शायद नागराज के साथी होंगे। पर ये बायो रोबॉट्स बहुत विकसित तकनीक के हैं! इनकी अनुकूलन क्षमता बहुत तेज है!
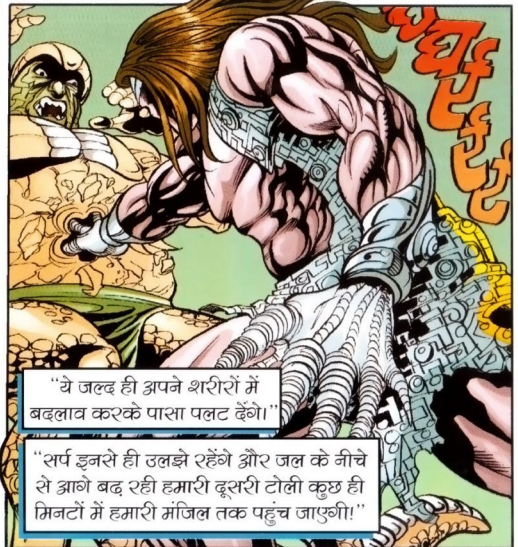
घर्र्र्र्र
"ये जल्द ही अपने शरीरों में बदलाव करके पासा पलट देंगे।"
"सर्प इनसे ही उलझे रहेंगे और जल के नीचे से आगे बढ़ रही हमारी दूसरी टोली कुछ ही मिनटों में हमारी मंजिल तक पहुंच जाएगी!"

"जल के नीचे कोई महासर्प मौजूद दिखता है। वह अकेले ही हमारी पूरी टोली को संभाले हुए है।"

"कुछ आदिमानवों को तो उसने इतना क्षतिग्रस्त कर दिया है कि उन्हें किसी भी कमांड के द्वारा रिपेयर नहीं किया जा सकता!"

"इस महायोद्धा को तो सिर्फ प्रलय ही रोक सकती है।"

"तो प्रलय लाएंगे हम! समुद्र क्षेत्र का भौगोलिक मानचित्र मुझे दिखाओ। छोटी से छोटी चीज के साथ!!"

पानी के नीचे तो आदिमानवों की लहर थमी हुई थी!

परंतु जल्दी ही पलड़ा! आदिमानवों की तरफ झुकता नजर आ रहा था।

उनकी दहकती मुट्ठियों के वार धूम्र सर्पों के शरीर पर घातक वार बरसाना शुरू कर चुके थे।

और धूम्रसर्प इस भीषण ऊर्जा के सामने ठहर नहीं पा रहे थे!

पश्चिम दिशा से आती आदिमानवों की लहर को अभेद्य जाल बनाने में माहिर, गुंथी सर्पों की सुरक्षा पंक्ति भी रोक नहीं पा रही थी।
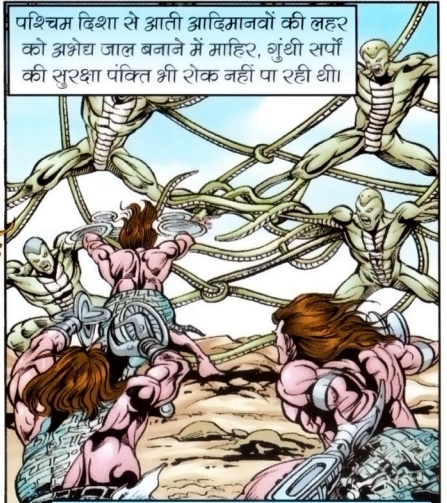
किसी भी हथियार से न कट सकने वाले उनके शरीरों को आदिमानवों की आरी की तरह घूमती कलाई किस अद्‌भुत तकनीक से काट रही थी, उसका अंदाजा तक वे नहीं लगा पा रहे थे।

आदिमानवों की टोली ने भारी क्षति उठाने के बावजूद भी तीन अवरोध तो पार कर लिए थे।
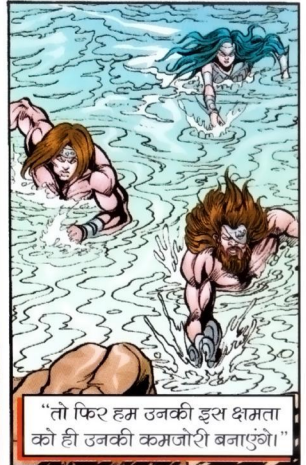
"जैसे ही उनके शरीर हमारे वारों को निष्क्रिय करने के लिए, वारों के अनुरूप ढलेंगे..."
"हम वार को बदल देंगे! दूसरे प्रकार के वार का प्रहार शुरू कर देंगे!"
नायक, यह तो कोई महाशक्ति है! हमारी फौज इनकी सुरक्षा पंक्ति को भेद नहीं पा रही है।
उलटे यह हमपर भारी पड़ रही है।
भारी पड़ रही है? ये अवश्य नागशक्ति है। और अगर हमारे सेंसर भी इन्हें भांप नहीं पा रहे हैं तो ये अवश्य ईच्छाधारी नाग होंगे।
नागशक्ति ने, बड़े कारगर तरीके से आदिमानवों की शक्ति को क्षीण करके उनका आक्रमण रोक दिया था।
"डायनोसोर्स के अलावा पृथ्वी पर सिर्फ ईच्छाधारी नागों में ही हमारे आदिमानवों को झेल सकने की शक्ति है!"
"अगर जल्द ही कुछ न किया तो हमारी पूरी सेना निष्क्रिय हो जाएगी!"
"तुमने अभी तक मुझे उस क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी क्यों नहीं दी है? जल्दी करो। मुझे कोई न कोई उपाय सोचना ही होगा!"
तब तक कापालिक को इस युद्ध में उतार दो!
वह हमारा ऐसा आखिरी हथियार है जो ईच्छाधारी नागशक्ति से भी निपट सकता है।

आदिमानवों की संख्या बड़ी तेजी से घट रही थी!
काश, नागराज यहां पर हमारे साथ होता! अब तक तो हम यह युद्ध जीत चुके होते!
समुद्र में अब यह लहर कैसी? क्या कोई और हमलावर टोली आ रही है।
हे शेषनाग! य...यह क्या है?
आ... आपने सही कहा। अभी तो नागराज को यहां पर होना चाहिए था।
कुछ ही पलों बाद वह अज्ञात हमलावर युद्धक्षेत्र का नक्शा पलट चुका था।
नागद्वीप की सुरक्षा दीवार कुछ ही देर में ढह चुकी थी।

तो यह थी इनकी चाल जब हम इनके असंख्य सैनिकों से लड़कर थक जाएं तब ये अपना महायोद्धा भेजेंगे।

महायोद्धा नहीं, कापालिक! अभी-अभी कुछ ही पलों में हजारों नागों का ध्वंस करके आ रहा हूं मैं!

तुझे नष्ट करने में तो उतना समय भी नहीं लगेगा।

हमारा भी यही विचार है।

तुझे तेरे कर्मों का दंड देने में हमें उतना समय भी नहीं लगेगा।
आह!!!
"नायक! कापालिक इस लड़ाई को लंबा तो खींच सकता है, पर इस महायोद्धा पर हावी नहीं हो सकता! कुछ कीजिए! जल्दी।"
"तूने मुझे भौगोलिक मानचित्र देकर काम को आसान बना दिया है।"

"इस महायोद्धा को
उड़ाने के लिए हमें महा-
विस्फोटक चाहिए।"
"और वह महा-
विस्फोटक है..."
"परंतु इनके ईश्वर के
यहां यह सिस्टम नहीं है।"
"रास्ता मिल चुका है,
मुझे! और मैंने कमांड
भेज भी दिए हैं।"
"...यह जलगत
ज्वालामुखी! जिसमें
हमारा एक सैनिक
विस्फोट कराएगा।"
"और यह विस्फोट
इन दोनों के
चिथड़े उड़ा देगा!
कापालिक को
तो हम रिपेयर
कर लेंगे।"...
"इस महायोद्धा को
अपने टुकड़े बटोरने में ही
अब घंटों लग जाएंगे!"

"और तब तक हमारा काम हो चुका होगा।"
यह क्या था?
पता नहीं, नागराज! पर ये किसी अनिष्ट का सूचक अवश्य है।
क्योंकि आमतौर से नागद्वीप का हर वासी हर वक्त एक दूसरे के मानसिक संपर्क में रहता है। और अभी मैं किसी से भी संपर्क नहीं साध पा रहा हूं!
विसर्पी से?
थोड़ी देर पहले तक संपर्क था पर अब नहीं है। मामला खतरनाक है।
ओफ्! मुझे उसके साथ जाना चाहिए था।
अगर वह खतरा मेरे रहते आता तो मैं उसकी गर्दन मरोड़ कर...
लो। अब पूरी कर लो।...
...अपनी हसरत!
ये तो... सैंकड़ों हैं।
जो सैंकड़ों से न लड़े वह लड़ाका कहलाने का हकदार नहीं! अपनी-अपनी जगह ले लो, पंचनागों...
नागद्वीप की सुरक्षा अब हमारे छः कंधों पर ही टिकी है। ये नागद्वीप के तट से अगर आगे बढ़े तो समझना कि हमारी जान हम पर बोझ है!

यहां तक आने का साहस करके इन्होंने अपनी जान को बोझ बना लिया है, नागराज! मेरे नागबाण तो निशाने पर ही हैं।...
बस इनके शरीर में दिल जैसी कोई चीज भी हो।
आदिमानवों को रोकना मुश्किल सिद्ध हो रहा था। क्योंकि शायद उनके पास दिल जैसा कोई अंग नहीं था।
उनके शरीर के परखच्चे तो उड़ रहे थे।
लेकिन उन पर इसका असर होता नजर नहीं आ रहा था।
आदिमानवों की फौज अगर आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

तो पंचनाग उन्हें पीछे भी नहीं हटा पा रहे थे।
बर्रर्रर्रर्रर!
इनको पचाना मुश्किल लगता है। बहुत बासी माल है!!
आदिमानवों की परिस्थितियों के अनुरूप शक्ति ढालने की क्षमता, पंचनागों पर भारी पड़ रही थी।
पंचनागों के सीमित क्षमता वाले वारों की तरह, उनके होश भी कुंद होते नजर आ रहे थे।
नागद्वीप को बचाए रखने का बोझ अब...
नागराज के अकेले कंधों पर बढ़ता जा रहा था।
वही हुआ जिसका मुझे डर था। पंचनाग अपनी सारी शक्ति लगाकर भी इनके सामने ठहर नहीं पाए।
मेरी विषफुंकार भी इनको ज्यादा विचलित नहीं कर पा रही है। ये आखिर हैं क्या चीज?
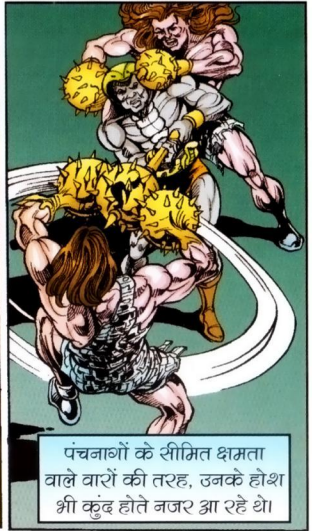
ओफ! अगर यहां की जमीन चट्टानी न होती तो मैं इन सबको सर्प सुरंग खोद कर यहीं पर दफन कर देता!
अब तो इच्छाधारी नागों को अपने शरीर से निकालना ही एकमात्र रास्ता बचा है। लेकिन वे भी कितने कारगर सिद्ध होंगे, यह कहना...
...मुश्किल है...अरे! यह क्या..?
ड्रैगन किंग!... तुम... तुम जिंदा हो!!!
जब तक दुश्मन जिंदा है, तब तक ड्रैगन किंग कैसे मर सकता है?
पर तुम यहां पर कैसे?
इस खतरे के आने का आभास था मुझे! बड़ी मुश्किल से बचा मैं ध्वस्त होती डायनो सिटी से! अब मैं सूर्य की ऊर्जा पर चल रहा हूं।
अगर मेरी ड्रैगन आर्मी भी बच सकती तो काम बहुत आसान हो जाता। पर, खैर! मुझे इनको मारने के लाखों तरीके सदियों से पता हैं।
नागराज और ड्रैगन किंग घाव पर घाव खा रहे थे। लेकिन आदिमानवों की बची खुची सेना का भी तेजी से सफाया हो रहा था।
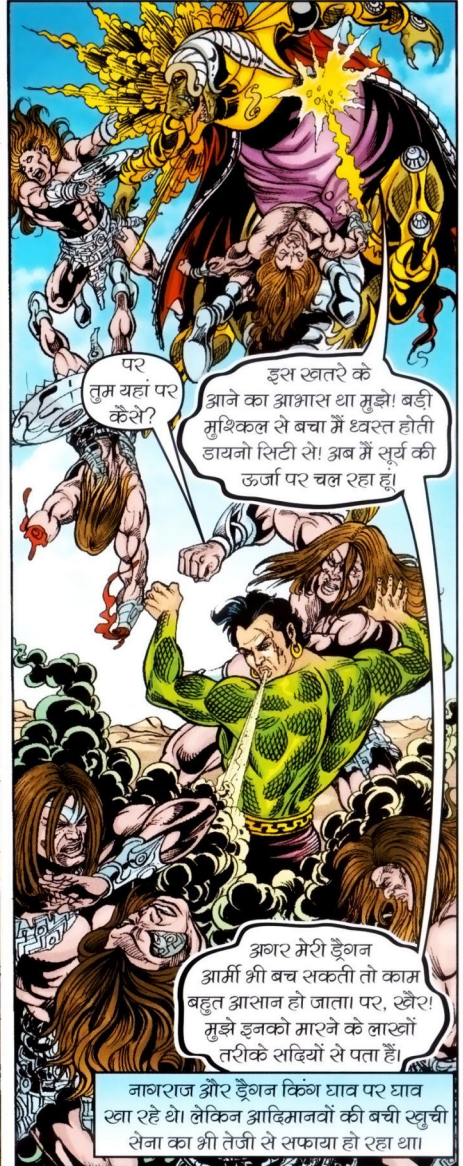
एक बड़ी कीमत पर जल्द ही वह युद्ध जीता जा चुका था।
नागराज और ड्रैगन किंग बुरी तरह से घायल हो चुके थे!
आऽऽह! खतरा टालने में मदद करने के लिए शुक्रिया!... कुछ समय लगेगा पर मेरी शक्ति वापस आ जाएगी।
पर... मेरी नहीं! अब मेरे घाव नहीं भरेंगे।
पर... यह सब है क्या? अगर इस वक्त तुम मेरी मदद न करते तो मैं तुम्हें हमेशा एक दुष्ट प्राणी ही समझता! और इन आदिमानवों को दोस्त!
कौन हैं ये आदिमानव? और नागद्वीप से इनका क्या रिश्ता है?

सच्चाई तुम्हें जाननी ही पड़ेगी, नागराज! पहले मौका ही नहीं मिला था! वर्ना यह गलतफहमी ही न रहती!
डायनोसोर और सरीसृप कभी भी किसी भी प्रजाति के दुश्मन नहीं रहे। बल्कि हम हमेशा उनके संरक्षक रहे।
क्योंकि लंबे समय तक अस्तित्व काल में रहने के कारण हमने हर तरह की तकनीक में प्रगति की थी!
अभी मैंने तुम मानवों के नगर देखे! तुम अभी हमारे दस प्रतिशत तक भी नहीं पहुंचे हो!

"हमारा ध्येय सिर्फ पृथ्वी ही नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की हर प्रजाति को पनपने का अवसर देना था। ताकि प्रकृति की कोई भी रचना विलुप्त न हो पाए।"
"उस वक्त मंगल ग्रह की तरह, पृथ्वी के दो चंद्रमा थे। एक बड़ा और दूसरा उससे छोटा! हमने उनकी एक टीम को छोटे चांद पर रहने की ईजाजत दे दी ताकि वे इस क्षेत्र में रहकर अपने रहने योग्य किसी नए ग्रह की तलाश कर सकें।"
"ये परग्रही सौरा नामक सुदूर ग्रह से आए थे और खुद को सौरारी कहते थे।"
"हम अगर तकनीक में निपुण थे तो सौरारी जैविक ज्ञान में माहिर थे। वे जैविक ऊर्जा का ही भक्षण करते थे और जैविक ऊर्जा के दम पर करोड़ों वर्षों तक जीवित रह सकते थे।"
"उनका शरीर भी ऐसे भौतिक कणों से बना था जिनका वायब्रेशन इतना अधिक था कि हमारी सामान्य दृष्टिक्षेत्र के बाहर था!"
"यानि..वे अदृश्य थे।"
"हम्म्! यही समझ लो।"
"लेकिन जैसे-जैसे सदियां बीतती गईं वैसे-वैसे सौरारियों की वास्तविक मंशा सामने आने लगी!"
"उनका ईरादा पृथ्वी पर पनप रहे जैविक जीवन को बायोएनर्जी में बदलकर अपना भोजन बनाना था।"
"लेकिन हमारे रहते ऐसा कर पाना मुश्किल था।"
"वे जानते थे कि वे हमारी तकनीक के सामने नहीं टिक सकते। इसीलिए उन्होंने हमें रास्ते से हटाने के लिए एक विचित्र योजना बनाई।"
"उन्होंने बायोरोबॉट्स बनाए।"
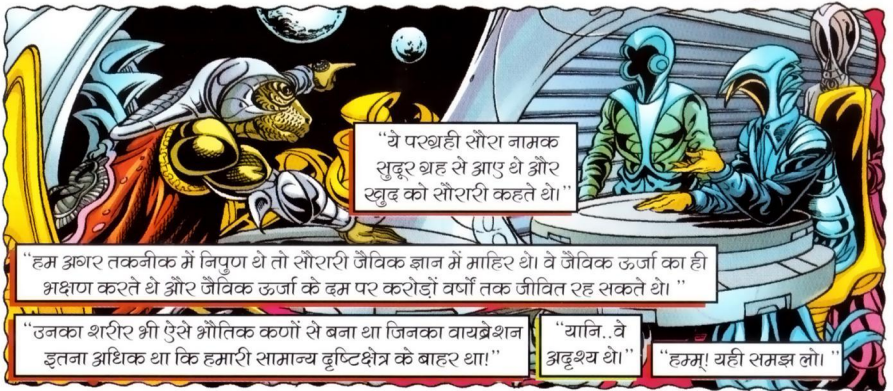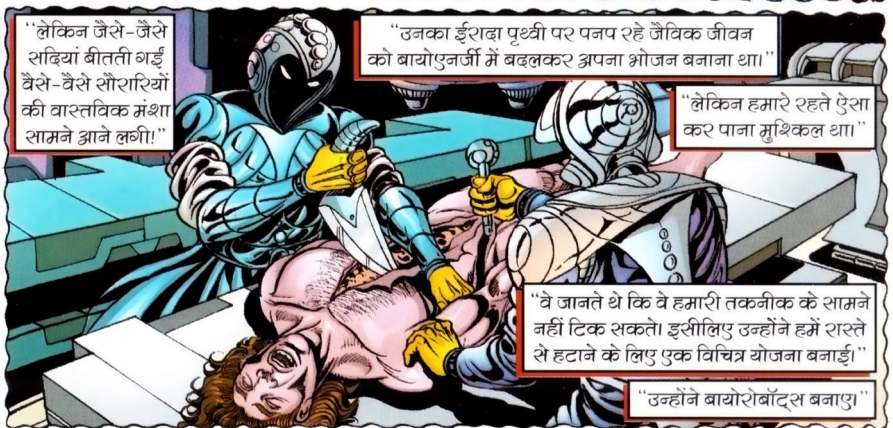
"...और उन बायो रोबॉट्स को उस आदिमानव आबादी में मिला दिया जिसका हम संरक्षण करते थे।
"उन्होंने सैंकड़ों वर्षों तक हमारी तकनीकों को सीखा, हमारी कमजोरियों को समझा और फिर छुप-छुपकर हमारे गुटों का जैविक हथियारों से सफाया करना शुरू कर दिया।"
"वही जैविक हथियार जिन्हें तुम आज शायद 'वायरस' और 'बैक्टीरिया कहते हो!"
"पर हम तो जानते हैं कि डायनोसोर करोड़ों की तादाद में थे, और पूरी पृथ्वी पर थे! इतनों को मारना तो असंभव था!!"
"सही जानते हो तुम! पर हर डायनोसोर प्रजाति विकसित नहीं थी। हममें से खास प्रजातियों के कुछ लाख डायनोसोर ही बुद्धिमान थे!"
"सिर्फ वे ही सौरारियों के रोबॉट्स का निशाना थे।"
"सुआरा उन बायो रोबॉट्स का लीडर था। हम डायनोसोर प्रजाति पर आई इस विपदा का कारण ढूंढने में जुट गए! और सुआरा उसमें हमारी मदद करने लगा!"
"हम अंजाने में दुश्मन को अपना राज बता रहे थे और वे उसकी काट ढूंढ रहे थे!"
देखते ही देखते कुछ ही वर्षों में हमारी आबादी आधी रह गई थी!"
"लेकिन एक दिन हमें कारण का पता चल ही गया।"
"सौरारियों की गद्दारी सामने आ गई और हमने चांद पर हमले की तैयारी शुरू कर दी।"
"हमारी योजना का पता चलते ही उन्होंने अपने बायोरोबॉट्स को सुषुप्तावस्था में भेज दिया। और फिर उन्होंने एक महाभयंकर चाल चली।"

"सीधी लड़ाई में हम उनका समूल नाश कर देते, इसीलिए उन्होंने आनन-फानन में अपनी बस्तियों को दूसरे बड़े चांद पर स्थानांतरित कर लिया और छोटे चांद को पृथ्वी से टकराने की तैयारी करने लगे। उस टक्कर से हमारा अस्तित्व मिट जाना निश्चित था।"
"पर यह टक्कर सुआरा जैसे अन्य बायो रोबॉट्स के लिए भी खतरा हो सकती थी। सौरारियों ने अपने रोबॉट्स को नजर अंदाज किया था और यह समझ में आते ही सुआरा बागी हो गया। वह सीधा मेरे पास आया और उसने मुझे सौरारियों की यह योजना बताई।"
"चांद को तो रोकने की कोशिश हम कर सकते थे। सफल भी हो सकते थे और असफल भी। लेकिन ऐसे में किसी भी सौरारी को पृथ्वी पर आने से रोकना जरूरी था।"
"समय कम था और हम जानते थे कि सौरारी हम पर नजर रखे हुए थे। काम को अंजाम देने का एक ही तरीका था। सुआरा।"
"सौरारी नहीं जानते थे कि सुआरा पाला बदल चुका है।"

"हमने एक सुदूर द्वीप पर, वही जिसको तुम नागद्वीप कहते हो, एक खास कंट्रोल सेंटर बनाया। यह कंट्रोल सेंटर पृथ्वी के चारों तरफ एक अदृश्य कवच बिछाने के लिए था। इस कवच के ऊर्जा के खास वायब्रेशन सौरारियों के शरीर-कणों के वायब्रेशन की काट थे।"

"सीधे शब्दों में कहा जाए तो, हर चीज इस कवच के पार जा सकती थी, सिवाय सौरारियों के।"
"इस कवच के रहते सौरारी पृथ्वी पर कभी नहीं आ सकते थे। इस दौरान हम उस चांद को रोकने की तैयारी में लगे थे। जिसने पृथ्वी की तरफ गिरना शुरू कर दिया था।"
"और सुआरा कवच को एक्टीवेट करने की तैयारी में जुट गया। उस कवच को जिसको हटाने का कोड या तो वह जानता था या मैं।"

"हमने चांद को तो कई टुकड़ों में तोड़ दिया लेकिन एक बड़े टुकड़े को गिरने से रोक नहीं पाए।"
"मुझे सुआरा से संपर्क करने का समय तक नहीं मिला। समय था तो सिर्फ इतना कि हम ऐसी किसी स्थिति के लिए बनाई गई भूमिगत डायनो सिटी में जा सकें!

"जिसका पता सिर्फ सुआरा को था!"

हमारी प्रजाति के बचे-खुचे विकसित डायनोसोर्स के साथ मैं भी निद्रावस्था में चला गया।
यानि...जिस दौरान तुम गिरते चांद को रोकने की तैयारी कर रहे थे उस दौरान सुआरा तुम्हारी तकनीक की मदद से अपनी जीवित मूर्ति बना रहा था। ताकि अगर वह न बचे तो मूर्ति इस कंट्रोल सेंटर की रक्षा कर सके!
बिल्कुल सही! पर एक रहस्य रह गया है! सुआरा अगर कोड जानता था और सौरारियों ने फिर से उसको अपना गुलाम बनाकर उसके मस्तिष्क से संपर्क जोड़ लिया था तो सुआरा की मेमोरी में उन्हें वह कोड क्यों नहीं मिला?
सुआरा को वह कोड याद क्यों नहीं था। वह मुझसे भी कोड पूछ रहा था।
जो भी हो, अब उसकी आवश्यकता...
...नहीं है। अब... अब यह क्या है?
कापालिक हूं मैं। अलग-अलग बायोरोबॉट्स में जो अलग-अलग खूबियां होती हैं। वे सारी मुझ अकेले में हैं!
ड्रैगन किंग को आदिमानवों से भीषण जंग ने पहले ही कमजोर कर रखा था।
कापालिक के उस विस्फोटक वार ने उसकी बचीखुची सांसें भी छीन लीं।

अब बारी नागराज की थी। नागराज कमजोर अवश्य था...
...मगर बेबस नहीं।
कितनी भी शक्तियां शरीर में भरी हों, दिमाग खत्म तो सब खत्म!
कापालिक के हर अंग का मस्तिष्क अलग है। ऑक्टोपस के हाथों की तरह!
तू खास 'स्पेसिमैन' लगता है। तेरी शारीरिक प्रणाली की जांच करनी होगी।
तेरा 'डी.एन.ए.' जांचना होगा।

आह!!!

तेरी विष बनने की जैविक प्रक्रिया को ठप्प करना होगा! खास वायरस डाल के!

और दूसरे खास बैक्टीरिया से तेरे रोमछिद्रों को बंद भी करना होगा! फिर तेरे शरीर से कुछ भी बाहर नहीं आएगा!

पर तेरे शरीर से जरूर कुछ बाहर आएगा!

खच

तेरी जान!

लोग पैरों के नीचे से जमीन खींचते हैं। लेकिन नागराज पूरा पैर ही खींच लेता है।

नागराज के रहते नागद्वीप के अंदर कोई कदम नहीं रख सकता!
तो तू क्या हवा में पैर रखता है?

ओह! या तो मेरे विष का असर सच में कम हो रहा है...
...या इसमें 'रीजेनेरेशन' की जैविक शक्ति भी मौजूद है!

खैर जो भी हो...
अगर मैं इसके शरीर को लगातार गलाता रह सकूं तो...
अरे! यह क्या? नाग-फनी सर्प मुरझा रहे हैं।
और... और...मैं और सर्प निकाल नहीं पा रहा हूं!
शरीर में विष की तीव्रता भी समाप्त हो रही है और मेरे रोम छिद्र भी बंद हो रहे हैं।
आ... आ..क्!
सिर्फ रोमछिद्र ही नहीं, मेरे पूरे शरीर की खाल ही बद रही है।
कापालिक के बैक्टिरिया का असर सामने आ रहा है।
उम्ममम्फ!

अभी तो उसके शरीर से खून की धारें तक बाहर नहीं निकल सकतीं थीं।
कुछ ही पलों के बाद नागराज की सांसें थम चुकी थीं और उसका शरीर निश्चल पड़ चुका था।
एक समय में मृत्यु को भी चुनौती देकर जीतने वाला महानायक आज स्वयं उसके साथ चलने को तैयार था।
नागराज अब न फुंकार छोड़ सकता था और न ही सर्प वार कर सकता था। न देख सकता था, न सुन सकता था।
और न ही कापालिक के भूस्खलन जैसे लगातार बरसते भीषण वारों को झेल सकता था।
उसके शरीर के क्षतिग्रस्त अंगों से होता रक्तस्राव उसके अंदरूनी अंगों को ठप्प कर रहा था।
किसी मदद की कोई उम्मीद नहीं थी। क्योंकि इस भीषण आपदा का सामना कर सकने लायक सारे स्तंभ ढह चुके थे।
सिवाय एक अंतिम सहारे के!
सुआरा रक्षक है इस द्वीप का! और सुआरा के रहते...
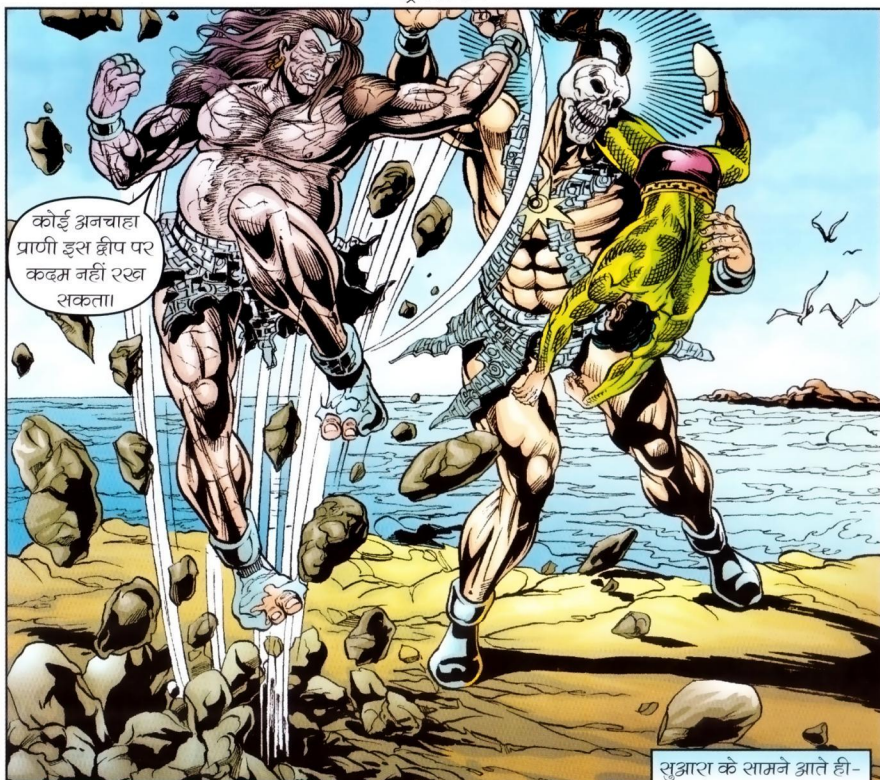
कोई अनचाहा प्राणी इस द्वीप पर कदम नहीं रख सकता।
सुआरा के सामने आते ही-
पृथ्वी के आभामंडल में, सुरक्षा कवच के पार तैर रहे सौरारियों की बांछें खिल गईं।
सुआरा! उसने... उसने अपनी जीवित प्रतिमा बना रखी थी!!
और... और सुआरा की जो लुप्त स्मृति थी, वह प्रतिमा के दिमाग में फीड है। जरूर कोड भी उसी में होंगे।
इसके मस्तिष्क को कंट्रोल करो! रि-बूट करो! हमें वह कोड चाहिए!
और कापालिक को डीएक्टिवेट कर दो। कहीं वह प्रतिमा को कोई नुकसान न पहुंचाए!
उसकी संभावना कम दिखती है! क्योंकि फिलहाल...

और उसके बाद तेरी बोटी-बोटी करूंगा! और फिर...

...मैं... हूहूह!

सुआरा का दिमाग उसके वश से बाहर हो रहा था। शायद सौरारी ने उसपर कब्जा करना शुरू कर दिया था।

कुछ ही पलों बाद-

सुआरा वापस नागद्वीप के कंट्रोल सेंटर की ओर बढ़ रहा था।

और जल्द ही सुआरा के हाथ कोड को टाइप करके पृथ्वी के सुरक्षा कवच को हटा रहे थे।

और करोड़ों वर्षों के बाद सौरारियों को पृथ्वी पर कदम रखने का मौका मिल रहा था।

आहा! कितना अच्छा लग रहा है फिर से पृथ्वी के बायो स्फियर में आकर!

अब यह ग्रह पूरी तरह से हमारा है। अब यह हमें करोड़ों वर्षों का भोजन उपलब्ध कराएगा!

लालच मत कर! इन्हें खाने के लिए बहुत समय है।

अभी हमें अपने ग्रह के भूखे सौरारियों को संदेश भी भेजना है और नाग-द्वीप के उस कंट्रोल को भी नष्ट करना है...

प्रतिमा सुआरा को हम आदेश दे चुके हैं। वह हमारा इंतजार कर रहा है!

जिस खतरे को रोकने में ड्रैगन किंग ने अपनी प्रजाति की जान दांव पर लगा दी, वह करोड़ों वर्षों का प्रयास व्यर्थ हो गया था! सौरारियों की शक्ति अब अजेय थी!

मानवों की बस्ती अब पोल्ट्री फॉर्म से ज्यादा कुछ नहीं थी!

आहा! बड़ी हसरत थी तुझे पास से देखने की! ड्रैगन किंग के बाद एक तू ही दिखा था, नागराज, जो शायद हमारे सपने चूर कर सकता था!

पर आखिरकार तू खुद ही चूर-चूर हो गया! अगर तू जहरीला न होता तो हमारा पहला भोजन तू ही बनता!

लेकिन मरते-मरते दिल छोटा न कर! हमने तुम मानवों का काफी भला भी किया है।

इसके नष्ट होने के बाद पृथ्वी पर ऐसा कुछ नहीं बचेगा जो आपको रोक सके नायक!

मानव जाति एक भयानक अंत के कगार पर खड़ी थी।

नागराज के इम्यून सिस्टम के आगे कोई विषाणु ठहर नहीं सकता।
चाहे वह कापालिक का ही विषाणु क्यों ना हो।
और सुआरा ने यहां पर कंट्रोल रूम के साथ-साथ इस घातक हथियार को भी छुपा रखा था!
इसे ढूंढना मेरे लिए कोई मुश्किल काम नहीं था!
और तुझे तेरी बायो एनर्जी से आजाद कराना हमारे लिए कोई मुश्किल काम नहीं है।
तू जहरीला जरूर है और यह विष हम पर भी जरूर असर करेगा ! लेकिन थोड़ी सी फूड प्वाएजनिंग हम सह लेंगे।
आSSSह! अचानक मेरे शरीर में...बटन दबाने लायक शक्ति भी...नहीं बची है।
ऐसा ही होता है। पहले शक्ति जाती है, और फिर जान! तड़पने तक का समय नहीं देते हम! दयालु जो ठहरे।
यह क्या हो रहा है? यह सिस्टम दुबारा कैसे चालू हो रहा है?
सुआरा! यह तू क्या कर रहा है?
सुआरा!! तूने फिर से सिस्टम चालू कर दिया है। रोक इसे।
किस सौरारी ने इसे ऐसा करने को कहा है?
मैंने!

नागराज! त...तूने?

तू! तू.. ऐसा कर ही नहीं सकता। यह...सुआरा हमारा रोबॉट है।

गलत! यह सुआरा का रोबॉट है, जिसमें उसने अपनी उस मेमोरी के हिस्से को रखा था, जिसे वह तुमसे बचाना चाहता था।

यह जीवित प्रतिमा सुआरा के जाग जाने से अपने आप सक्रिय हो गई थी।

यह अपनी मानसिक तरंगों के जरिए शुरू से ही मेरे संपर्क में थी! इसी ने मुझे पहली बार खुद अपने तक पहुंचाया था।

और उसके बाद भी यह समय-समय पर मुझे संकेत भेज रही थी।

पर यह मेरे लिए जीवन रक्षक तब सिद्ध हुई जब मैं कापालिक का सामना कर रहा था और अपनी जान बचाने के लिए जूझ रहा था।

स्थिति का आभास होते ही यह प्रतिमा स्वयं जमीन तोड़ कर आ धमकी और कापालिक को धूल चटा दी!

उस वक्त तक मुझे पूरे घटनाक्रम का अंदाजा लग चुका था! मैं चाहता तो पृथ्वी पर लगा कवच यह प्रतिमा कभी न हटाती।

पर ड्रैगन किंग के जाने के बाद तुम लोगों का फुल और फाइनल हिसाब करना जरूरी हो गया था।

मैं पृथ्वीवासियों को हमेशा आतंक के साए में रहने के लिए छोड़ नहीं सकता था।

तुम तक पहुंचकर हम हमला नहीं कर सकते थे। एकमात्र रास्ता था, तुम सबको यहां तक बुलाना।

तो... मेरे सुझाव पर प्रतिमा सुआरा ने अवरोध हटाया और तुम्हें यहां पर बुलाने का खतरा उठाया!

पर इस बार मकसद पृथ्वी को नहीं, सिर्फ इस चैंबर को कवच में ढकना था। अब कैद में पृथ्वी को नहीं, तुम सबको रहना था!
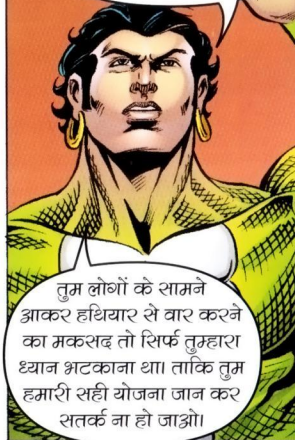
तुम लोगों के सामने आकर हथियार से वार करने का मकसद तो सिर्फ तुम्हारा ध्यान भटकाना था। ताकि तुम हमारी सही योजना जान कर सतर्क ना हो जाओ।

अब ड्रैगन किंग की यह ईजाद तुम्हें कहां पर ले जाकर छोड़ेगी यह तो अब वे भी नहीं बता पाएंगे।

पर जाते-जाते एक बात तो जरूर सुनते जाओ। यह रहस्य जरूर है कि प्रतिमा सुआरा ने सिर्फ मुझसे ही संपर्क क्यों बनाया।

आप वास्तव में सिर्फ मेरे या नागद्वीप के ही नहीं, बल्कि पूरी पृथ्वी के रक्षक... अरे! यह क्या?

ये पूरा सिस्टम 'सेल्फ-डिस्ट्रक्ट' हो रहा है। मुझे.. मुझे बाहर निकलना होगा!

ओह! शुक्र है कि आप सब लोग ठीक-ठाक हैं!

ठीक तो नहीं हैं, पर हो जाएंगे! लेकिन.. यह सब था क्या? क्या हुआ है नागद्वीप पर?

नागद्वीप का इतिहास फिर से जिंदा हो गया था, विसर्पी!

"बस यूं समझो कि अब सब ठीक हो गया है। पहले जैसा!"

"लेकिन अगर यह खतरा फिर से आ धमका, नागराज, तो क्या होगा?"

"नागद्वीप पर कभी कोई आंच नहीं आ सकती। क्योंकि इसकी रक्षा करने वाले मेरे भी बाप हैं!!"

समाप्त
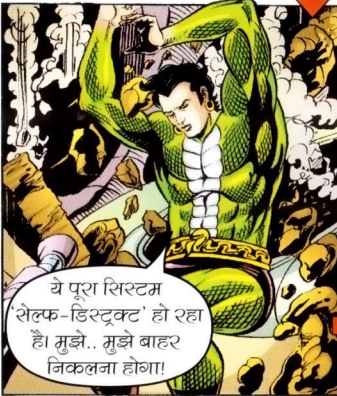
विश्व अपराध जगत में आज अपने सबसे बड़े हथियार की नीलामी करेगा कौटिल्य नागमणि।
Origins
उत्पत्ति श्रृंखला
जिसे अपने साम्राज्य का सिपहसालार बनाना चाहता था मैं, वो मेरा गुलाम बन कर नीलाम होगा...
...मेरे विरुद्ध जाने की सजा में भुगतना होगा इसे ये...
HEMANT EESHWAR ISHAN
Join our facebook page
facebook
http://www.facebook.com/rajcomics
10000 000
2000 0000
75000
नरक दंश
नरक नाशक नागराज
नरक नाशक उत्पत्ति श्रृंखला भाग-3
राज कॉमिक्स में नरक नाशक एवं नरक नियति के बाद नरक नाशक नागराज का एक और रोमांचक विशेषांक।

युगम धरित्री अस्यः
सर्वनायक प्रतियोगिता पहुंच चुकी है उस चरण पर जहां गणनायक धारण करेंगे प्रतिद्वंद्वी की शक्तियां और द्वंद्व करेंगे अपने ही दल के विरुद्ध। विजेता बनेगा वही जो करेगा अपने दल का....
सर्वसंहार
चतुर्थ खंड
ब्रह्माण्ड रक्षक
सर्वनायक
एक युग
एक युद्ध
Join our facebook page
facebook
http://www.facebook.com/rajcomics

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इण्डिया के एक रेगिस्तानी बीहड़ में दफन किया गया एक ऐसा खतरनाक आविष्कार जो सिर्फ मानव जाति ही नहीं बल्कि पूरी पृथ्वी का अस्तित्व मिटा सकता था।
Join our facebook page
facebook
http://www.facebook.com/rajcomics
इस घटना के लगभग सात दशक बाद देश के सबसे विकसित मेट्रोपोलिटन राजनगर में उठा है एक जलजला जिसकी चपेट में धधक रहा है राजनगर और...
HEMANT-EESHWAR ART ISHAN
सुपर कमांडो ध्रुव
राजनगर रक्षक
INSPECTOR STEEL
सुपर कमांडो ध्रुव और इंस्पेक्टर स्टील का हाई-टेक सस्पेंस और एक्शन फिल्ड विशेषांक।
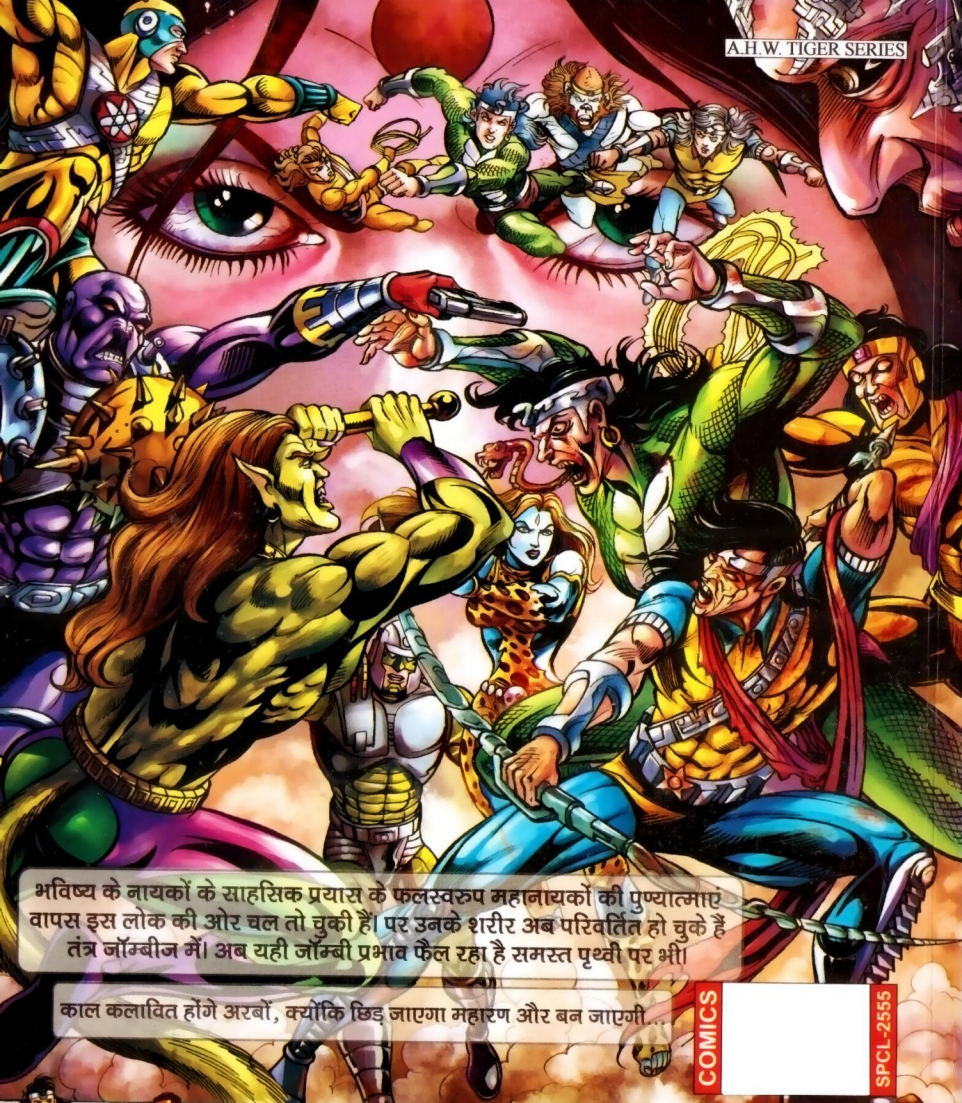
A.H.W. TIGER SERIES
भविष्य के नायकों के साहसिक प्रयास के फलस्वरुप महानायकों की पुण्यात्माएं वापस इस लोक की ओर चल तो चुकी हैं। पर उनके शरीर अब परिवर्तित हो चुके हैं तंत्र जॉम्बीज में। अब यही जॉम्बी प्रभाव फैल रहा है समस्त पृथ्वी पर भी।
काल कलावित होंगे अरबों, क्योंकि छिड़ जाएगा महारण और बन जाएगी...
COMICS
SPCL-2555
महा नागायण
राज कॉमिक्स में जीवन-मृत्यु के बीच के महायुद्ध को चित्रित करती अद्भुत महागाथा।